18-07-2025 Final_18-07-2025 Final.qxd 7/17/2025 11:35 PM Page 1

18 जुलाई 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



कम उम्र में ही चंदन ने अपराध की दुनिया में रखा था कदम, कह कर करते थे हत्या 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

अपने दुश्मन देशों पर इजरायल कर रहा है महाविनाशकारी हमले

एजेंसी/नई दिल्ली

♦ ईरान ने सीरिया पर इजरायली हमले की निंदा

सीरिया पर इजरायली हमले के बाद पाकिस्तान से लेकर ईरान तक में हड़कंप है। पाकिस्तान को लग रहा है कि सीरिया के बाद अगला नंबर उसका ही हो सकता है। इजरायल लगातार अपने दुश्मन देशों पर महाविनाशकारी हमले कर रहा है। इससे पूरे मध्य-पूर्व में दहशत का माहौल है। बीते दिन इस कड़ी में इजरायली सेना ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में भीषण हवाई हमला किया। इस दौरान इजरायल ने सीरिया के रक्षा मंत्रालय को उड़ा दिया।

सीरिया पर इजरायल के ताजा हमले से ईरान और पाकिस्तान दोनों चिंतित हो गए हैं। अब यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इजरायल अगला हमला पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पर कर सकता है। ईरान ने सीरिया पर इजरायली हमले की निंदा की है। ईरान के विदेश मंत्री महमूद अब्बास अराघची ने अपने सोशलमीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि दुर्भाग्यवश, यह सब पहले से ही पूरी तरह से अनुमानित था। अगला निशाना कौन-सा राजधानी शहर होगा? पागल और नशे में चूर इजरायली शासन की कोई सीमा नहीं है और वह केवल एक ही भाषा समझता है।



बेलगाम आक्रामकता को समाप्त करने के लिए एकजुट होना चाहिए: विश्व समुदाय, विशेष रूप से इस क्षेत्र के देश को उसकी बेलगाम आक्रामकता को समाप्त करने के लिए एकजुट होना चाहिए। ईरान, सीरिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन करता है और हमेशा सीरियाई जनता के साथ खड़ा रहेगा। जाहिर है अब्बास अराघची के इस ट्वीट से भी जाहिर होता है कि उन्हें भी चिंता है कि अगला निशाना इजरायल पाकिस्तान को ना बना दे? पाकिस्तान के नेता भी पूर्व में ही यह आशंका जाहिर कर चुके हैं कि इजरायल इस्लामाबाद पर हमला कर सकता है। पाकिस्तान के एक नेता ने जून में ईरान पर हुए हमले के दौरान ही यह आशंका प्रकट कर दी थी कि इजरायल अगला हमला इस्लामाबाद पर कर सकता है। इसके लिए इस नेता ने सभी से इजरायल के खिलाफ एकजुटता का भी आह्वान किया था। अब सीरिया पर इजरायली हमले के बाद पाकिस्तान और अधिक घबरा गया है। अब पाकिस्तान की आशंका निश्चित रूप से और प्रबल हो गई होगी कि उसे इजरायल अगला निशाना बना सकता है। पाकिस्तान के नेता असद कसर ने कहा कि इजरायल अगला निशाना पाकिस्तान को बना सकता है।

नेतन्याहू की सेना अब इस्लामाबाद पर हमले कर सकती है: ईरान और सीरिया पर इजरायल के हमले के बाद पूरे पाकिस्तान में अब यही चर्चा आम है कि नेतन्याहू की सेना अब इस्लामाबाद पर हमले कर सकती है। हालांकि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि अगर इजरायल ऐसा करता है तो पाकिस्तान उनको मुंहतोड़ जवाब देगा। सीरिया पर इजरायल ने बहुत भीषण हमला किया। इस हमले का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दमिश्क में रक्षा मंत्रालय को धुआं होते देखा जा सकता है। हालांकि इजरायल के इस हमले के बाद सीरिया में कितनी मौतें हुईं। अभी तक इसका ब्यौरा सामने नहीं आ सका है।

अटकलें... अपनी ताकत को फिर से मजबूत कर रहा है ईरान

नई दिल्ली। जून में 12 दिनों तक चले खौफनाक युद्ध ने ईरान और इजरायल दोनों को झकझोर कर रख दिया। इस दौरान 13-24 जून तक चले इस युद्ध में दोनों देशों को भारी नुकसान हुआ। सैकड़ों लोग जख्मी हुए और अरबों डॉलर स्वाहा हो गए।12 दिनों बाद भले ही इस वक्त युद्धविराम लागू है, लेकिन हवा में तनाव अब भी दिख रहा है। अब तीन ऐसे संकेत सामने आए हैं, जो इस बात की आशंका को हवा दे रहे हैं कि यह तनाव फिर से बढ़ सकता है। अगर इस बार लड़ाई होती है तो शायद पहले से भी ज्यादा खतरनाक रूप ले सकता है।

पहला संकेत रूस से जुड़ा है। ईरान ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के मुताबिक हाल के दिनों में रूसी सेना का आईएल-76 कार्गो प्लेन दो बार तेहरान में देखा गया। रूसी आईएल-76 विमान बेहद कम समय के लिए तेहरान में उतरा और तुरंत वापस मास्को लौट गया। इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि ये उड़ानें सिर्फ छोटे-मोटे हथियार नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ड्रोन या एडवांस्ड रडार सिस्टम लेकर आ रही हैं। यानी ओपन-सोर्स सैटेलाइट ट्रैकर और विश्लेषकों ने पाया है कि इन लैंडिंग के तुरंत बाद ईरान के एयर डिफेंस में हलचल, नई तैनातियां और सैनिक गतिविधि बढ़ जाती है।

विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार के मुख्यमंत्री ने लोगों को दी सौगात

घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का नहीं देना होगा पैसा

♦ फैसले से राज्य के कुल एक करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ होगा

केटी न्यूज/पटना

नीतीश कुमार ने गुरुवार को ट्वीट करके कहा कि हम लोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि एक अगस्त, 2025 से यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। इससे राज्य के कुल एक करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ होगा। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने ये तय किया है कि अगले तीन वर्षों में इन सभी घरेलू उपभोक्ताओं से सहमति लेकर उनके घर की छतों पर या नजदीकी सार्वजनिक स्थल पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर लाभ दिया जाएगा।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि कुटीर ज्योति योजना के तहत जो अत्यंत निर्धन परिवार होंगे उनके लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने हेतु पूरा खर्च राज्य सरकार करेगी। अन्य लोगों के लिए भी सरकार उचित सहयोग करेगी। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को अब बिजली का 125 यूनिट तक कोई भी खर्च नहीं लगेगा और साथ ही साथ राज्य में अगले तीन वर्षों में एक अनुमान के अनुसार 10 हजार मेगावाट तक सौर ऊर्जा उपलब्ध हो जाएगी। बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए नीतीश कुमार ने आधी आबादी यानि महिलाओं को साधने के लिए पूरा दांव चला है। सीएम नीतीश कुमार ने पिछले महीने पेंशन की राशि बढ़ाने की घोषणा की। अब तक वृद्धजनों, विकलांगजनों व विधवा महिलाओं को पेंशन के रूप में 400 रुपये प्रतिमाह मिलते थे। अब इस पेंशन राशि को बढ़ाकर 1100 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। इसके दायरे में 1.11 करोड़ लोग आते हैं। इस तरह नीतीश ने अपने पाले में करने के लिए जाल बिछा दिया है।



महिलाओं को साधे का बड़ा सियासी दांव: मुख्यमंत्री ने ये भी एलान किया है कि अब से हर महीने की 10 तारीख को पेंशन का पैसा भेज दिया जाएगा। सीएम ने पिछले हफ्ते आठ जुलाई को कैबिनेट ने एक और बड़ा फैसला लिया। राज्य की सरकारी नौकरी में अब सिर्फ बिहार की महिलाओं को ही 35 फीसदी आरक्षण मिलेगा। इस तरह नीतीश कुमार ने अपने कोर वोट बैंक महिलाओं को साधे रखने का लिए बड़ा सियासी दांव चला है, क्योंकि पिछले चार चुनाव से उनकी जीत में महिला वोटों की अहम भूमिका रही है। बिहार में तकरीबन 8 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 3.72 करोड़ महिला मतदाता हैं। नीतीश कुमार की असल ताकत महिलाएं ही रही है। नीतीश कुमार के इस वोटबैंक पर तेजस्वी की नजर लगी थी, जिस देखते हुए पेंशन बढ़ाने और महिलाओं को सरकारी नौकरी में 35 फीसदी आरक्षण जैसे अहम फैसले किए हैं।

12 सदस्यीय समिति गठित करने का लिश निर्णय: नीतीश के अगुवाई वाले मंत्रिमंडल ने श्रम विभाग के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसके तहत अगले पांच सालों (2025-2030) में राज्य के युवाओं को एक करोड़ नौकरियां और रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। नीतीश सरकार ने इसके लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय समिति गठित करने का भी निर्णय लिया है। नीतीश सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह रोजगार सरकारी, अर्ध-सरकारी, निजी क्षेत्र और स्वरोजगार के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। कौशल विकास, स्टार्टअप्स, एमएसएमईएस और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स इस लक्ष्य में अहम भूमिका निभाएंगे।

युवाओं का दिल जीतने का बड़ा दांव चला

नीतीश कुमार ने जिस तरह से महिलाओं और बुजुर्गों की बड़ी जमात का साधने के साथ युवाओं का दिल जीतने का बड़ा दांव चला है। इसके लिए एक करोड़ नौकरी-रोजगार का उन्होंने वादा किया है। बिहार के 2020 विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की सीटें घट गई थी, जिसे इस बार नहीं दोहराना चाहते हैं। उन्हें पता है कि अगर इस बार सीटें घटी तो सत्ता का सिंहासन पर उनके हाथों से निकल जाएगा। इसीलिए एक के बाद एक बड़ा सियासी दांव चल रहे हैं और लोकलुभावनों वादों के ऐलान की झड़ी लगा दी है। इस तरह महिला, बुजुर्ग और युवाओं को अपने पाले में करके 2025 की चुनावी जंग फतह करना चाहते हैं, लेकिन देखना है कि तेजस्वी यादव के अगुवाई वाले एनडीए के सियासी चक्रव्यूह को तोड़ पाते हैं कि नहीं?

मोदी व राहुल एक के एक कार्यक्रमों में होंगे शामिल

पटना। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से ही केंद्रीय नेताओं का ताबड़तोड़ बिहार दौरा हो रहा है। पीएम मोदी और राहुल गांधी एक के एक कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। 18 जुलाई को पीएम मोदी के मोतिहारी दौरे के बाद एक बार फिर से राहुल गांधी का दौरा होने जा रहा है। राहुल गांधी अगस्त महीने में बिहार दौरे पर पहुंच रहे हैं। दरअसल, विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर बिहार दौरे पर आने वाले हैं। इस बार उनका कार्यक्रम दक्षिण बिहार के नक्सल प्रभावित कैमूर जिले में प्रस्तावित है, जहां वे अधौरा क्षेत्र में रात्रि विश्राम करेंगे और आदिवासी समुदाय के लोगों से संवाद स्थापित करेंगे। कांग्रेस वहां जनसभा आयोजित करने की भी योजना बना रही है।

जानकारी के मुताबिक, राहुल गांधी का यह दौरा अगस्त महीने में हो सकता है, हालांकि तारीख अभी तय नहीं हुई है। इस संभावित कार्यक्रम की तैयारी के सिलसिले में कांग्रेस अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम और सासाराम से कांग्रेस सांसद मनोज कुमार ने बुधवार को अधौरा का दौरा किया। उन्होंने सभा स्थल और वन विभाग के गेस्ट हाउस का भी निरीक्षण किया, जहां राहुल गांधी के रात्रि विश्राम की संभावना है।

अस्पताल हत्याकांड से खुद को अलग रखें, वरना भुगतना होगा आपको अंजाम

सांसद पप्पू यादव को शेरू गैंग ने दी चेतावनी



केटी न्यूज/पटना

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि पारस अस्पताल में हुए चर्चित हत्या कांड में दिलचस्पी लेने पर उन्हें अपराधियों द्वारा धमकी भरा फोन आया है। उन्होंने बताया कि जैसे ही वे पारस अस्पताल का दौरा करके लौटे, उन्हें एक कॉल आया जिसमें उन्हें इस मामले से दूर रहने और हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी गई। यह बयान उन्होंने वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र अंतर्गत पीरापुर गांव में दिया, जहां वे एक कॉलेज छात्रा के अपहरण और हत्या के मामले में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे। पप्पू यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुझे साफ कहा गया कि पारस अस्पताल हत्याकांड से खुद को अलग रखें, वरना अंजाम भुगतना होगा।

अधिकारी जाति के आधार पर अपराधियों का मूल्यांकन करते हैं: पप्पू यादव ने शेरू गैंग को चेतावनी देते हुए कहा कि कानून के कारण चुप हैं नहीं तो उनका साम्राज्य मिटाते देर नहीं लगेगी। उन्होंने राज्य में लगातार बढ़ रहे अपराध को लेकर एक बार फिर नीतीश सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि बिहार में सबसे बड़ा अपराधी नेता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी जाति के आधार पर अपराधियों का मूल्यांकन करते हैं और यह तय करते हैं कि किसे मरवाना है और किससे मरवाना है। इसके अलावा, छात्रा हत्याकांड को लेकर पप्पू यादव ने स्पीडी ट्रायल, परिवार को सुरक्षा और आर्थिक मदद देने की मांग की। बता दें कि राजधानी पटना के पारस अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कुख्यात चंदन मिश्रा की शुक्रवार की सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड के पीछे शेरू गैंग का हाथ होने की बात कही जा रही है। चंदन मिश्रा की हत्या के बाद पप्पू यादव पारस अस्पताल पहुंचे थे और अपराधियों के खिलाफ सख्त एक्शन की मांग की थी।

चार दिन के भीतर कैबिनेट की दूसरी बैठक आज

केटी न्यूज/पटना



बीते मंगलवार 15 जुलाई को सीएम नीतीश कुमार ने कैबिनेट की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े 30 एजेंडों पर सरकार ने अपनी मुहर लगाई थी। इसके साथ ही एक करोड़ नौकरी के प्रस्ताव पर भी सरकार ने मुहर लगा दी थी। चार दिन के भीतर अब सीएम नीतीश कुमार ने 18 जुलाई को फिर से कैबिनेट की बैठक बुला ली है।

संभावना जताई जा रही है कि अगस्त के अंतिम महीने या सितंबर के फर्स्ट विक में चुनावी बिगुल बज सकता है। ऐसे में सीएम नीतीश अपने उन सभी वादों को पूरा करने में लगे हैं, जो उन्होंने बिहार की जनता से किया है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री ताबड़तोड़ बड़े फैसले लेकर राज्य की जनता के साथ साथ विपक्ष को चौंका रहे हैं। पिछले कुछ दिनों के भीतर मुख्यमंत्री ने कई बड़े फैसले लेते हुए राज्य की जनता पर सौगातों की बौछार की है। मुख्यमंत्री हर उस मुद्दे को गौण करने की कोशिश कर रहे हैं जिसे विपक्ष चुनावी मुद्दा बनाकर सरकार के खिलाफ मैदान में उतरने की रणनीति बना रहा था।

पटना के एक बड़े हिस्से में बाढ़ का गंभीर खतरा

केटी न्यूज/पटना



बिहार में मौसम ने करवट लेने के बाद कई जिलों में जमकर बारिश हुई है और इसकी वजह से राज्य की कई नदियां उफान पर हैं। राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात हैं, लेकिन अब पटना में भी खतरा आ पहुंचा है। केंद्रीय जल आयोग ने पटना के एक हिस्से में बाढ़ के खतरे की गंभीर चेतावनी दी है।

केंद्रीय जल आयोग ने पटना के धनरूआ और मसौढ़ी इलाके में बाढ़ का भीषण खतरे की चेतावनी जारी है। केंद्रीय जल आयोग की ओर से जारी अलर्ट में कहा गया है कि दरधा नदी भारी उफान पर है। इसलिए पटना के एक बड़े हिस्से में बाढ़ का गंभीर खतरा हो गया है। दरधा नदी ने दो दिनों से जहानाबाद जिले में तबाही मचायी थी, अब उसका जलस्तर पटना में बेहद खतरनाक हो गया है।

केंद्रीय जल आयोग ने कहा है कि पटना जिले के कोल्हाचक में बहने वाली दरधा नदी, आज शाम 8:00 बजे भीषण बाढ़ की स्थिति में बह रही है। गुरूवार की शाम 8:00 बजे इसका जलस्तर 55.99 मीटर दर्ज किया गया। सबसे खतरनाक बात ये है कि दरधा नदी का जलस्तर 40 मिमी प्रति घंटा की दर से बढ़ रहा है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान 55.48 मीटर से 0.51 मीटर ऊपर है। अब तक कोल्हाचक में दरधा नदी का सबसे ज्यादा जलस्तर 55.99 मीटर रहा है। 2019 में दरधा नदी का जलस्तर 55.99 मीटर मापा गया था, लेकिन आज रात ही नदी का जलस्तर अपने पुराने रिकार्ड को पार कर जायेगा। ऐसे में पटना के एक हिस्से में बाढ़ की तबाही आ सकती है। केंद्रीय जल आ ?ग ने इसका अलर्ट दिया है।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के एसीएस ने सभी जिलाधिकारी को भेजा पत्र

राज्य के 2158 गांवों में चकबंदी की कार्रवाई हुई पूरी, सूचना जारी

केटी न्यूज/पटना

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने चकबंदी किए गए गांवों में भू-अर्जन की प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न जटिलताओं के समाधान की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने सभी जिलों के समाहताओं को निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि ऐसे मामलों में जहां खतियान, जमाबंदी और दखल कब्जा में अंतर है, वहां वास्तविक कब्जाधारी रैयत को ही मुआवजा दिया जाएगा।



बिहार चकबंदी अधिनियम, 1956 के तहत राज्य के 5657 गांवों में चकबंदी की कार्रवाई प्रारंभ की गई थी। इनमें से 2158 गांवों में यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। बावजूद इसके कई स्थानों पर रैयतों का कब्जा अब भी पुराने सर्वे खतियान (सीएस/आरएस) के आधार पर बना हुआ है जबकि चकबंदी खतियान एवं पंजी-2 की जमाबंदी अद्यतन हो चुकी है। अपर मुख्य सचिव के अनुसार ऐसे कई मामलों में चकबंदी खतियान, ऑनलाइन जमाबंदी और जमीन पर वास्तविक कब्जा, इन तीनों में मेल नहीं होने के कारण भू-अर्जन के भुगतान में अड़चनें आ रही हैं। इससे विभिन्न विकास परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं। इस स्थिति के समाधान के लिए जारी निर्देश में कहा गया है कि जिस खेसरे या खेसरा अंश का भू-अर्जन किया जा रहा है, उस पर वास्तविक रूप से कब्जा रखने वाले व्यक्ति को ही हितबद्ध रैयत मानते हुए भुगतान किया जाएगा। बशर्ते वह अतिक्रमणकर्ता न हो और उसका दावा पूर्ववर्ती खतियान या उसपर आधारित लेन-देन से प्रमाणित हो।जिला भू-अर्जन पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे ऐसे मामलों में आत्मभारित आदेश पारित करें, जिसमें स्पष्ट किया जाए कि किन आधारों पर वास्तविक कब्जाधारी को भुगतान किया गया है, भले ही वह खतियान या जमाबंदी से मेल न खाता हो।



18-07-2025 Final_18-07-2025 Final.qxd 7/17/2025 11:35 PM Page 2

गंगा का जलस्तर स्थिरः तटीय गांवों में चिंता बरकरार; प्रशासन ने बढ़ाई चौकसी

♦ बाढ़ पीड़ित क्षेत्र के लोग अपने मवेशियों को ऊंचे स्थानों पर ले जाकर बांध रहे हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में नुकसान से बचा जा सके

केटी न्यूज/बक्सर



बक्सर में गंगा नदी के जलस्तर में फिलहाल स्थिरता बनी रहने से कुछ हद तक राहत की उम्मीद जरूर जगी है, लेकिन चेतावनी बिंदु पर बना हुआ जलस्तर तटीय क्षेत्रों में रह रहे लोगों की चिंता को कम नहीं कर सका है। गुरुवार को जल संसाधन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटों में गंगा के जलस्तर में कोई विशेष उतार-चढ़ाव नहीं देखा गया है। लगातार हो रही बारिश में कमी आने से नदी की गति स्थिर हुई है, फिर भी खतरा पूरी तरह से टला नहीं है। गंगा का बहाव अब भी चेतावनी बिंदु के करीब बना हुआ है।

यही कारण है कि जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और तटीय क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। चौसा,सदर, सिमरी और चक्की प्रखंड के कई गांवों में गंगा के पानी का असर साफ देखा जा सकता है। खेतों में जलभराव की स्थिति बन गई है और कुछ स्थानों पर घरों के आसपास पानी घुसने लगा है, जिससे स्थानीय लोग डरे हुए हैं। ग्रामीणों की रातों की नींद हराम हो चुकी है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कई लोग अपने मवेशियों को ऊंचे स्थानों पर ले जाकर बांध रहे हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में नुकसान से बचा जा सके। घरों के बाहर से लेकर आंगनों तक पानी पहुंचने की खबरें मिल रही हैं, जिससे लोग अपने घरों से बाहर निकलने में भी हिचक रहे हैं।

हालात को नियंत्रित रखने के लिए प्रशासन द्वारा एहतियातन नावों की व्यवस्था कर दी गई है। साथ ही, राहत एवं बचाव दलों को तैनात कर दिया गया है, जो जरूरत पड़ने पर तत्काल मदद पहुंचा सकें। जिला प्रशासन की ओर से संवेदनशील गांवों में लगातार निगरानी की जा रही है और ग्रामीणों से भी अपील की गई है कि वे गंगा के किनारे ना जाएं और किसी प्रकार की जोखिमपूर्ण गतिविधि से बचें। जल संसाधन विभाग की माने तो अगर आगामी दिनों में बारिश की तीव्रता कम बनी रहती है, तो जलस्तर में गिरावट की संभावना है। हालांकि, यदि पहाड़ी क्षेत्रों में पुनः बारिश तेज होती है, तो बक्सर जिले में जलस्तर फिर से बढ़ सकता है। इस परिस्थिति को लेकर प्रशासन हर स्थिति से निपटने की तैयारी में जुटा हुआ है। इधर, स्थानीय लोगों ने बताया कि हर साल गंगा के उफान से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है, लेकिन इस बार स्थिति अधिक गंभीर प्रतीत हो रही है।

ग्रामीणों ने जलनिकासी की व्यवस्था बेहतर करने और राहत सामग्री पहले से मुहैया कराने की मांग भी उठाई है। फिलहाल गंगा की रफ्तार थमी हुई जरूर है, लेकिन तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ जैसी आशंका को देखते हुए प्रशासन और आमजन दोनों ही सतर्क हैं। हालांकि इस बात की पूरी संभावना जतायी जा रही है कि लगातार हो रही बारिश से पुनः गंगा अपने उफान पर आ सकती है।

एक नजर

डुमरांव में बाल श्रम के खिलाफ प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, मुक्त कराए गए दो बच्चे



डुमरांव। जिला प्रशासन द्वारा बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को डुमरांव शहरी क्षेत्र में धावा दल द्वारा छापेमारी अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह के निर्देश पर की गई, जिसमें दो बाल श्रमिकों को कार्यस्थल से मुक्त कराया गया।धावा दल में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी केसठ, प्रभारी डुमरांव, ब्रह्मपुर एवं चक्की के साथ-साथ डुमरांव थाना की पुलिस टीम तथा समाजसेवी संस्था स्व. कन्हाई शुक्ला सेवा संस्थान के प्रतिनिधि अजीत कुमार भी शामिल रहे। संयुक्त रूप से की गई इस छापेमारी के दौरान बाल श्रमिकों को दुकानों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से छुड़ाया गया।मुक्त कराए गए दोनों बच्चों को तत्काल जिला बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया है, जहां उनकी सुरक्षा, शिक्षा और पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। वहीं, बाल श्रमिकों से कार्य कराने वाले नियोजकों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।इसके साथ ही नियोजकों से प्रति बाल श्रमिक 20 हजार रुपये का जुमार्ना जिला बाल श्रमिक पुनर्वास एवं कल्याण कोष में जमा कराया जाएगा, ताकि बच्चों के पुनर्वास कार्यों में इसका उपयोग हो सके।श्रम संसाधन विभाग द्वारा जिले में बाल श्रम को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य से लगातार छापेमारी व कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे बच्चों से मजदूरी कराने वालों की जानकारी प्रशासन को देकर इस सामाजिक अपराध को समाप्त करने में सहयोग करें।

फाइलेरिया से बचाव को लेकर सीएचसी चौसा में जागरूकता कार्यक्रम, बांटी गई एमएमडीपी किट

बक्सर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौसा के सभा कक्ष में आज फाइलेरिया रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं इससे बचाव हेतु एक विशेष स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंद्रमणि विमल व संचालन डॉ. अखिलेश कुमार की देखरेख एवं वीबीडीएस सुपरवाइजर गुड्डू पाठक के सुपरविजन में किया गया। इस अवसर पर हाथी पांव से संक्रमित मरीजों को रोग से बचाव, स्वच्छता, हाइजीन और संक्रमण से सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हेल्थ टिप्स दिए गए। मरीजों को बताया गया कि कैसे नियमित साफ-सफाई, प्रभावित अंगों की सही देखभाल, व्यायाम और योग से रोग की गंभीरता को कम किया जा सकता है। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि हाथी पांव से पीड़ित कुल 10 मरीजों को एमएमडीपी किट भी वितरित की गई, जिसमें रोग की देखभाल हेतु आवश्यक औजार और दवाइयाँ शामिल थीं। डा. चंद्रमणी विमल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय स्तर पर फाइलेरिया रोग की रोकथाम और मरीजों के जीवन स्तर में सुधार लाना और मरीजों की पहचान, परामर्श और समाज में रोग के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना है। मौके पर सुमन कुमारी, डॉ. मणिपाल, हरेराम सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

किशोरी से यौनाचार व धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

डुमरांव। ब्रह्मपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में किशोरी से यौनाचार धोखे से युवती का अश्लील वीडियो और वीडियो कॉलिंग पर बात की क्लिप बनाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान ओझावलिया के अमित यादव पिता महेश यादव के रूप में हुई है। बता दें कि नामजद आरोपी को गांव के ही एक किशोरी से प्रेम संबंध स्थापित हो गया। वह उसे शादी का झांसा दे पिछले चार महीने से यौनाचार कर रहा था। इस दौरान उसने धोखे से युवती का अश्लील वीडियो व वीडियो कॉलिंग पर बात की क्लीप बना लिया था तथा उसे वायरल करने की धमकी दे रहा था। उसकी प्रताड़ना से तंग आ किशोरी ने पहले 11 जुलाई को जहर खा जान देने की असफल कोशिश की, लेकिन इसके बाद भी जब उसकी प्रताड़ना नहीं रूकी तो वह दुबारा 14 जुलाई को जहर खा ली। गंभीर अवस्था में बक्सर के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज कराया गया तथा वहीं, पर स्वजनों के हिम्मत दिलाने पर उसने पुलिस के समक्ष अपना लिखित बयान दिया, जिसके बाद आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई थी। इसी बीच एसडीपीओ अफाक कहते अंसारी के नेतृत्व में गठित टीम ने उसे गुरुवार की देर शाम गिरफ्तार कर लिया। युवक से वह चार महीना पहले बातचीत करना शुरू की थी।

कम उम्र में ही चंदन ने अपराध की दुनिया में रखा था कदम, कह कर करते थे हत्या

अपने ही स्टाईल में मारा गया चंदन मिश्रा

♦ शेरू के साथ मिल बनाई थी जोड़ी, ताबड़तोड़ हत्या कर सुर्खियों में आए थे शेरू-चंदन, बाद में पैसे के विवाद में हुआ था अलगाव

केटी न्यूज/बक्सर



पटना के पारस अस्पताल में गुरूवार की सुबह जिस कुख्यात चंदन मिश्र को अपराधियों ने गोलियों से छलनी कर दिया वह मूल रूप से बक्सर जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव के मंटू मिश्र का पुत्र था तथा बचपन से ही अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने लगा था। जानकारों का कहना है कि चंदन जब नाबालिग था, उसी समय उसने एक बच्चे पर चाकू से जानलेवा हमला किया था, इस मामले में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेजा था, लेकिन वह वहां से फरार हो गया था। इसके बाद चंदन कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, बल्कि अपराध जगत में वह आगे बढ़ता गया। बाद में उसने सिमरी थाना क्षेत्र के दुल्लहपुर गांव निवासी ओंकारनाथ सिंह उर्फ शेरू सिंह के साथ मिल एक ऐसी जोड़ी बनाई जो कह कर खुलेआम घटनाओं को अंजाम देते थे तथा 2011 व 2012 तक वे बक्सर जिले के इतिहास के सबसे कुख्यात अपराधी बन चुके थे, जो न सिर्फ हत्याएं करते थे, बल्कि खुद उसकी जिम्मेवारी भी लेते थे। बता दें कि चंदन ने 10 मार्च 2011 को शेरू के साथ मिलकर औद्योगिक थाना क्षेत्र में ही नया भोजपुर के चर्चित मुखिया मो. नौशाद को गोली मार मौत के घाट उतार दिया था। 20 अप्रैल 2011 को शेरू चंदन की जोड़ी ने चंदन मिश्र के पंचायत के रहने वाले भरत राय, 4 मई 2011 को बक्सर सेंट्रल जेल के क्लर्क हैदर अली, 26 जुलाई 2011 को सिमरी प्रखंड के तत्कालीन प्रमुख शिवजी खरवार, 31 जुलाई 2011 को बक्सर बस स्टैंड के समीप कुख्यात अपराधी इस्लाम के पुत्र मो. निजामुद्दीन को, 21 अगस्त 2011 को पुराना भोजपुर निवासी व बक्सर में भोजपुर चुना भंडार का संचालन करने वाले राजेन्द्र केशरी, 11 अप्रैल 2012 को आरा के नवादा थाना क्षेत्र में कोचिंग संचालक हरि नारायण सिंह तथा 2013 में आरा टाउन थाना क्षेत्र में एक सिपाही की हत्या का आरोप है।इसके अलावे भी चंदन पर बक्सर व भोजपुर जिले में हत्या, रंगदारी व आर्म्स ऐक्ट के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज है।

राजेन्द्र केशरी की हत्या के बाद सुर्खियों में आया था शेरू-चंदन का नाम : बता दें कि शेरू-चंदन की जोड़ी द्वारा जो सबसे चर्चित हत्याकांड को अंजाम दिया गया था वह बक्सर के चुना व्यवसायी राजेन्द्र केशरी का था। यह जिले में पहला ऐसा मामला था, जिसमें अपराधियों ने रंगदारी नहीं देने पर किसी व्यवसायी को खुली चुनौती देते हुए हत्या की थी। इस घटना के बाद जिले में शेरू-चंदन का खौंफ कायम हो गया था तथा व्यवसायियों में आक्रोश गहरा गया था। पुलिस ने भी इस हत्याकांड को चुनौती के रूप में लिया था तथा तत्कालीन एसपी दलजीत सिंह ने शेरू-चंदन को गिरफ्तार करने के लिए जमीन आसमान एक कर दिया था। उनके बड़े-बड़े पोस्टर पूरे शहर में चिपकाए गए थे तथा दोनों पर 50-50 हजार रूपए का इनाम रखा गया था। पुलिस ने कुछ दिनों के बाद ही दोनों को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया था।हालांकि, इसी केस में चंदन मिश्र को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी तथा उसे बक्सर से भागलपुर जेल शिफ्ट किया गया था।

जेल में रहने के दौरान ही शेरू से हुआ था विवाद : जानकारों का कहना है कि दोनों जेल से ही अपने साम्राज्य का संचालन कर रहे थे, लेकिन जेल में रहने के दौरान ही पैसे के लेन देन तथा अन्य कारणों से दोनों के बीच विवाद हो गया।

कुख्यात चंदन मिश्र की हत्या के बाद जिले में अलर्ट मोड में आई पुलिस, तलाशी अभियान तेज

♦ हिंसा प्रतिहिंसा की आशंका से सहमे है जिलेवासी, चंदन के समर्थकों में है गहरा आक्रोश

बक्सर। बक्सर के कुख्यात अपराधी व सजायाफ्ता कैदी चंदन मिश्र की पटना के पारस अस्पताल में नृशंस हत्या से जिले में पुलिस की सतर्कता बढ़ गई है। कुख्यात के हत्या की जानकारी मिलते ही बक्सर पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है। इस दौरान सभी प्रमुख जगहों पर पुलिस तलाशी अभियान चला रही है।पुलिस सूत्रों का कहना है कि ऐसी सूचना मिली थी कि चंदन को गोली मारने के बाद अपराधी एक लग्जरी वाहन से बक्सर की तरफ भागे है। जिसके बाद एनएच 922 पर स्थित ब्रह्मपुर, नया भोजपुर व औद्योगिक थानों की पुलिस द्वारा एनएच पर सतर्कता बढ़ाने के साथ वाहन जांच अभियान तेज कर दिया गया। पुलिस पूरे दिन वाहन जांच चलाते रही। पुलिस पूरे अभियान को काफी गोपनीय तरीके से संचालित कर रही है। वरीय अधिकारियों के अलावे डीआईयू टीम इस मामले की जांच कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ चंदन मिश्र के समर्थकों में गहरा आक्रोश है। पटना में पारस अस्पताल के बाहर समर्थक के जोरदार प्रदर्शन तथा चंदन के पूर्व के इतिहास को देखते हुए जिले में हिंसा-प्रतिहिंसा की घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। अबतक जो प्रारंभिक जानकारी मिली है, उसमें भी चंदन की हत्या उसके विरोधी गैंगस्टर द्वारा किए जाने की जानकारी मिली है। जिस कारण उसके समर्थकों में उबाल है। यही कारण है कि पुलिस काफी सक्रिय हो गई है तथा संभावित जगहों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि हिंसा की घटनाओं को समय रहते रोका जा सकें।

प्रेम प्रसंग में बाधक बनने पर भाभी ने ही अपने आशिक से करवाई थी देवर की हत्या, दोनों गिरफ्तार

केटी न्यूज/डुमरांव



ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के बाबू डेरा गांव निवासी राहुल कुमार उर्फ लल्लू की हत्या उसकी सगी भाभी ने अपने आशिक के साथ मिल करवाई थी। भाभी पूजा के कहने पर ही उसके आशिक रहथुआ गांव निवासी मनोज कुमार यादव पिता जयराम यादव ने गोली मार राहुल को मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस ने पांच दिन में ही इस हत्याकांड का उदभेदन करते हुए न सिर्फ दोनों को गिरफ्तार कर लिया है, बल्कि उनके निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त देशी कट्टा, खोखा तथा दो मोबाईल फोन भी जब्त किए है।

गुरूवार को एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी।एसडीपीओ ने बताया कि राहुल की हत्या के बाद एसपी के निर्देश पर मेरे नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया है। इस दौरान तकनीकी साक्ष्यों व मुखबीरों से मिली जानकारी के आधार पर इस हत्याकांड में मृतक के बड़े भाई शैलेन्द्र यादव की पत्नी पूजा देवी की भूमिका संदिग्ध लगी। उससे पूछताछ करने तथा उसके मोबाईल के कॉल डिटेल्स निकालने पर यह साफ हो गया था कि उसका रहथुआ के मनोज कुमार यादव के साथ अवैध संबंध था, जिसका विरोध मृतक कर रहा था। उसे रास्ते से हटाने के लिए पूजा ने ही अपने आशिक के साथ मिल साजिश रची तथा शुक्रवार की रात जब राहुल खाना खाकर खेत की पटवन करने गया तो उसने इस बात की जानकारी अपने आशिक को दी, जिसके बाद वह मध्य रात्रि जब राहुल सो गया था तो वह चुपके से उसके करीब पहुंचा तथा देशी कट्टा से उसके पेट में गोली मार दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। एसडीपीओ ने बताया कि दोनों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिले है तथा घटना में प्रयुक्त देशी कट्टा व हत्या में प्रयुक्त खोखा बरामद कर लिया गया है। बता दें कि राहुल अपने घर से शुक्रवार की रात खेत की पटवन करने गया था। पटवन करने के बाद वह खेत में बने मचान पर सो गया था। इसी दौरान मनोज ने गोली मार उसकी हत्या कर दी। शनिवार की सुबह जब इस घटना की जानकारी हुई तो विरोध में घंटो ब्रह्मपुर चौरास्ता को जाम कर दिया था।

पानी निकासी की सुविधा नहीं होने से परमानपुर पंचायत का दो सौ बीघा जलमग्न

केटी न्यूज/नावानगर



परमानपुर गांव में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण करीब 200 बीघा खेती योग्य भूमि जलमग्न हो गई है। जिससे गांव के किसान अपनी खेतों की स्थिति देखकर चिंतित हैं। इधर स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जदयू के प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा ने गुरुवार को गांव पहुंचकर जलमग्न क्षेत्र का जायजा लिया और पीड़ित किसानों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में स्थानीय गांव के भू-स्वरूप और जल निकासी की योजना को नजरअंदाज किया गया, जिसका खामियाजा ग्रामीणों और किसानों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने अधिकारियों से तत्काल प्रभाव से पानी निकासी की वैकल्पिक व्यवस्था कराने की मांग की, साथ ही एनएचआई की लापरवाही का कारण बताई। उन्होंने कहा कि इस समस्या को राज्य सरकार से अवगत कराते हुए जल्द निदान की जाएगी। इधर गांव के किसानों ने बताया कि खेतों में जलमग्न होने से धान रोपनी बाधित है। जबकि धान लगाने का उत्तम नक्षण बीतने के कगार पर है। ग्रामीण हरेन्द्र सिंह, वशिष्ठ चौबे, सुरिष्ठ चौबे, प्रमोद पाण्डेय, वंशीधर चौबे ने आरोप लगाया कि हाईवे निर्माण एजेंसी ने जल निकासी के लिए पर्याप्त पुलिया या फिर नाला नहीं बनाई। जिसका परिणाम सामने है। खेती योग्य भूमि जलमग्न की जायजा लेने के दौरान भटौली पंचायत के मुखिया विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह, भाजपा के सोनवर्षा मंडल अध्यक्ष पिंकू चौबे, परमानपुर पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि विनोद चौबे मौजूद थे।

कुर्की वारंट के तहत अभियुक्त गिरफ्तार

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र में चल रहे एक पुराने मारपीट मामले में न्यायालय द्वारा जारी कुर्की वारंट के आधार पर पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त थाना क्षेत्र के फुसवां डेरा निवासी उपेन्द्र चौधरी बताया जाता है। जानकारी के अनुसार, आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और बार-बार समन व वारंट जारी होने के बावजूद न्यायालय में हाजिर नहीं हो रहा था।

बोली डॉ शोभा सिंह... बिहार की जनता अब जाति-धर्म की राजनीति से ऊपर उठकर बदलाव की दिशा में सोचने लगी

जन सुराज पंचायतों में व्यवस्था बदलाव को लेकर चला रही अभियान

केटी न्यूज/डुमरांव



बिहार में व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से जन सुराज पार्टी द्वारा पंचायत स्तर पर जनजागरूकता अभियान की शुरूआत की गई है। इसी कड़ी में डुमरांव प्रखंड के चौंगाई पंचायत में एक सभा का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री डॉ. शोभा सिंह ने की। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि बिहार की जनता अब जाति-धर्म की राजनीति से ऊपर उठकर बदलाव की दिशा में सोचने लगी है।

उन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और पारदर्शी शासन व्यवस्था के मुद्दों को लेकर आगामी चुनाव में मैदान में उतरेगी। ह्वयह चुनाव जात-पात के नाम पर नहीं, बल्कि बिहार के युवाओं के भविष्य और बेहतर प्रशासन के लिए लड़ा जाएगा,ह्व उन्होंने जोर देकर कहा। जनसभा में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि गांवों में सरकारी सुविधाओं की हालत बद से बदतर हो गई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की जगह केवल मध्याह्न भोजन तक सीमित रह गया है। स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों और दवाओं का घोर अभाव है। वहीं बेरोजगारी से परेशान नौजवान पलायन को मजबूर हैं।पार्टी की चुनाव अभियान समिति के सदस्य सउद आलम ने कहा कि जन सुराज का मकसद बिहार को उस दिशा में ले जाना है, जहां हर नागरिक को सम्मान और अवसर मिले। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे जागरूक होकर राजनीति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।अन्य वक्ताओं में अनिल यादव, कर्नल (सेवानिवृत्त) राजेश सिंह, जिलाध्यक्ष दिवाकर पाठक, डॉ. धर्मेंद्र पांडेय और अंशु श्रीवास्तव ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गांव-गांव जाकर लोगों को पार्टी की नीतियों से अवगत कराया जा रहा है और जनता से फीडबैक लेकर उनकी समस्याओं का समाधान तैयार किया जा रहा है।मौके पर उपस्थित अन्य गणमान्य लोगों में कृष्णा श्रीवास्तव, अरविंद पांडेय, रवि सिन्हा, विजय बहादुर, पीके सिंह, शंभूनाथ यादव, सरोज चौबे, विशेश्वर दुबे और अरुण मिश्रा शामिल थे।जन सुराज पार्टी का यह जनसंपर्क अभियान अब डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के अन्य पंचायतों में भी चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें और व्यवस्था बदलाव की इस मुहिम को गति मिल सके।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरांव 29 pm

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
■ विशाल और सुसज्जित हॉल
■ आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
■ ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
■ बड़ा पार्किंग एरिया
■ 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
■ साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
■ बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
■ हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

18-07-2025 Final_18-07-2025 Final.qxd 7/17/2025 11:35 PM Page 3

संक्षिप्त समाचार

सहायक आचार्य परीक्षानॉर्मलाइजेशन के विरुद्ध याचिका पर हाईकोर्ट ने प्रार्थियों का मांगा विवरण

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में सहायक आचार्य परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन फार्मूला लागू किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। जस्टिस दीपक रोशन की अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि याचिका में कुल 103 प्रार्थियों में से केवल दो का ही पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया गया है। इस पर अदालत ने सभी याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे 17 जुलाई तक अपना पूरा विवरण दाखिल करें। यह याचिका गिरिधर राउत, रश्मि कुमारी समेत 101 अन्य की ओर से दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से यह दलील दी गई कि जेएसएससी द्वारा सहायक आचार्य परीक्षा में लागू किया गया नॉर्मलाइजेशन फार्मूला गलत है और यह नियमों के विरुद्ध है। इसलिए परिणाम को रद्द कर पुनः जारी किया जाए। वहीं आयोग की ओर से अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि याचिका में अधिकतर प्रार्थियों का विवरण ही नहीं दिया गया है, इसलिए सुनवाई योग्य नहीं है। कहा कि नॉर्मलाइजेशन फार्मूला की जानकारी पहले से ही विज्ञापन में दी गई थी और सुप्रीम कोर्ट ने नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया है। ऐसे में प्रक्रिया पर रोक लगाना अदालत की अवमानना के दायरे में आएगा।

स्कूल की छत बना बच्चों के लिए खेल का मैदान, डीएसई ने कहा- दोषी पाए जाने पर होगी कार्रवाई

खूंटी, एजेंसी। जिला मुख्यालय से आठ किमी दूर खूंटी ब्लॉक के घाघरा गांव के एक प्राथमिक विद्यालय में बिना सुरक्षा के एक छत से दूसरे छत पर बच्चे कूदते नजर आए। साफ देखा जा सकता है कि छोटे-छोटे बच्चे किस तरह स्कूल की छत पर खेल रहे हैं। स्कूल की हालत ऐसी है कि छत पर जाने के लिए सीढ़ी तक नहीं है। स्कूल की दीवार पर लगे एक बांस की सीढ़ी के जरिए बच्चे छत पर चढ़ते और उतरते हैं। इसके साथ ही स्कूल की छत से सटे एक कटहल के पेड़ पर भी बच्चे चढ़कर कटहल तोड़ते नजर आए। ऐसे में बच्चों के साथ अगर कोई अनहोनी हो जाती तो इसका जिम्मेदार कौन होगा, एक बड़ा सवाल है। स्कूल में 35 से अधिक बच्चे नामांकित हैं, जबकि रोजाना लगभग 25 से अधिक बच्चे आते हैं। ग्रामीणों के अनुसार स्कूल के लिए एक शिक्षक तो हैं, लेकिन स्कूल खोलकर वे चले जाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार शिक्षक बच्चों की हाजिरी बनाकर चले जाते हैं और बच्चे दिन भर खेलते रहते हैं। बच्चों ने पूछने पर बताया कि स्कूल में हिंदी, गणित और पर्यावरण की पढ़ाई होती है। स्कूल में मौजूद एक ग्रामीण ने बताया कि स्कूल में कभी-कभी पढ़ाई होती है। इस मामले में डीएसई अभय कुमार सील ने बताया कि पहली बार मामले को लाया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित एचएम और अधिकारी से मामले की जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूल की छत पर खेलने के मामले की जांच की जाएगी और जांच के बाद दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड में लाखों लोगों के भोजन के अधिकार से वंचित होने की आशंका

रांची, एजेंसी। भोजन का अधिकार अभियान ने संभावना जतायी है कि झारखंड में बड़े पैमाने पर राशन कार्ड का डिलिशन हो सकता है। इसपर गहरी चिंता जताते हुए संस्था ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर राशन कार्ड के डिलिशन पर रोक लगाने की मांग की है। संस्था की दलील है कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लाभ ले रहे सभी कार्डधारियों के लिए 30 जून 2025 तक ईकेवाईसी पूरा करने की अंतिम तारीख निर्धारित की थी। जन वितरण प्रणाली के आहार पोर्टल के आंकड़ों के आधार पर 14 जुलाई तक राष्ट्रीय और राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत 74.6 लाख लोगों का ट्रयुब्बष्ट नहीं हुआ है। इसमें 8.24 लाख राशन कार्ड में एक भी सदस्य का ईकेवायसी नहीं है। ऐसे में लाखों गरीब राशन कार्ड धारियों को तकनीकी और व्यवस्थागत समस्याओं के कारण राशन के हक से वंचित किया जा सकता है। यह जानकारी भोजन का अधिकार अभियान के संयोजक अशर्फी नंद प्रसाद की ओर से दी गयी है। भोजना का अधिकार अभियान संस्था का कहना है कि झारखंड में साल 2017 और 2018 में राशन की कमी से 17 लोगों की मौत हो गई थी। लिहाजा, इतने बड़े पैमाने पर कार्डधारियों का डिलिशन बड़ी संख्या में गरीबों को भूख और कुपोषण की ओर धकेल सकता है। अभियान का मानना है कि इसका असर खासतौर पर वृद्ध, दिव्यांग, प्रवासी मजदूर, बच्चों और दूरदराज के इलाकों में रहने वालों पर पड़ेगा।

नामकुम ग्रिड सब स्टेशन के परिचालक ने सुनाई आपबीती

अचानक चड्डी-बनियान पहनकर घुसे दो दर्जन लोग और लूट ली 16 लाख की सामग्री



रांची।, एजेंसी। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के नामकुम ग्रिड सब स्टेशन में हुए लूटपाट की घटना से पूरा शहर हिल गया है। पहली बार किसी सबस्टेशन में 16 लाख रुपये की समाग्री लूट ली गई है। जिससे राज्य में मौजूद सब स्टेशन के कर्मी दहशत में है। जानकारी के अनुसार घटना को चड्डी-बनियान गैंग द्वारा अंजाम दिया गया है। यह बातें खुद नामकुम के ग्रिड सब स्टेशन के परिचालक अयोध्या प्रसाद ने कहीं। उन्होंने रात में मंगलवार की रात हुई लूटपाट की घटना की आपबीती के बारे में खुलकर बताया।

उन्होंने कहा कि मैं कुछ महीनों में रिटायर होने वाला हूं, लेकिन आज तक पूरे सर्विस में इस प्रकार की घटना कभी नहीं हुई थी, अचानक दो दर्जन से अधिक लोग चड्डी-बनियान पहनकर हथियार के साथ सब स्टेशन में पहुंचे और पूरा सब स्टेशन हाईजैक कर लिया।सब स्टेशन में मौजूद सभी कर्मियों को बंधक बना लिया। यह सब ग्रिड सब स्टेशन के टूटे हुए दीवार के कारण हो सका है। अगर दीवार नहीं टूटी होती तो यह घटना नहीं होता।

महीनों से ग्रिड सब स्टेशन की दीवार टूटी हुई है, दीवार की मरम्मत के लिए कई बार पत्र लिखने के बाद भी अबतक दीवार नहीं बन पाया है। उन्होंने कहा कि ग्रिड सब स्टेशन में होमगार्ड की जवान है, लेकिन उन्हें लाठ्ठी तक नहीं दी गई है। सीसीटीवी कैमरा महीनों से खराब है। पूरी व्यवस्था चौपट है।

नामकुम ग्रिड सब स्टेशन में हुई लूटपाट की घटना से सब स्टेशन में बंधक बनें कर्मी दहशत में है। कोई कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। हर कोई भगवान का शुक्रगुजार होने की बात कह रहा है। कर्मियों ने बताया कि यह पूरी घटना को सोची-समझी साजिश के तहत अंमाज दिया गया है।

बड़े पैमाने पर भारी-भरकम समाग्री लुटेरे लेकर गए है और उसे खपाना काफी मुश्किल है। चोरी किए गए समाग्री में कॉपर, टर्मिनल कनेक्टर, बुसिंग कनेक्टर, डिफरेंट टाइप टर्मिनल कनेक्टर, कॉपर केबल आदि कई महत्वपूर्ण समाग्री शामिल है।

कर्मियों ने बताया कि पूरी घटना की जांच पुलिस कर रही है, लेकिन विभाग के अधिकारी अबतक कोई ठोस कदम लेने को तैयार नहीं है। सब मौन धारण किए हुए है।नामकुम के ग्रिड सब स्टेशन में लूटपाट की घटना के अंजाम देने वाले दो दर्जन से अधिक अपराधी घटना को अंजाम देने के दौरान स्थानीय भाषा, भोजपुरी और हिंदी भाषा में एक दूसरे से बात कर रहें थे। ग्रिड सब स्टेशन के कर्मियों ने बताया कि नामकुम ग्रिड को हाईजैक कर लिया गया, लेकिन इस दौरान अगर कोई बड़ी चूक होती तो, पूरे शहर की बिजली व्यवस्था चरमरा जाती।ग्रिड सब स्टेशन नामकुम से राजधानी के आधे हिस्से में बिजली पहुंचती है। जिस दौरान लूटपाट हुई उस दौरान पूरे शहर की लोड पीक आवर में थी, ट्रांसमिशन की 33केवी लाइन से निकलने वाले 140 से 150 मेगवाट बिजली आपूर्ति बाधित होती। वहीं, बुधवार के दिनभर ग्रिड सब स्टेशन में बिजली विभाग के कई अधिकारी पहुंचे और घटना का जायजा लिया।

टंडवा में हिरण के बच्चे को कुत्तों ने घेरा

जंगल से भटककर गांव में आया हिरण, ग्रामीणों ने बचाई जान, सुरक्षित छोड़ा गया

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के टंडवा वन क्षेत्र के खैरका गांव में ग्रामीणों की जागरूकता और वन विभाग की मुस्तैदी से एक हिरण के बच्चे की जान बच गई। जंगल से भटककर गांव में आए हिरण के इस मासूम बच्चे को कुत्तों के झुंड ने घेर लिया था। लेकिन समय रहते ग्रामीणों के एक्टिव रहने की वजह से उसकी जान बच गई।

जानकारी के अनुसार, सीमावर्ती जंगल से भटककर एक नन्हा हिरण खैरका गांव में आ गया। गांव में प्रवेश करते ही उसे कुत्तों के झुंड ने घेर लिया और हमला कर दिया। मासूम जानवर अपनी जान बचाने की कोशिश कर ही रहा था कि ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ी।

ग्रामीणों की तत्परता ने बचाई जान

गांव वालों ने बिना समय गंवाए तुरंत हस्तक्षेप किया और कुत्तों से हिरण के बच्चे को बचाकर उसे सुरक्षित किया। इसके बाद उन्होंने फौरन वन विभाग को इसकी सूचना दी। ग्रामीणों की इस संवेदनशीलता ने एक नन्हे वन्यजीव की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम में वनपाल सुनील उरांव, वनरक्षी महेश कुमार, मनोज कुमार और इंद्रदेव आर्य शामिल थे। वनकर्मियों ने हिरण के बच्चे की प्राथमिक जांच की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसे कोई गंभीर चोट तो नहीं आई है। सौभाग्य से उसे केवल मामूली खरोंचें आई थीं और वह पूरी तरह स्वस्थ पाया गया।

जंगल में सुरक्षित छोड़ा गया हिरण का बच्चा

स्वास्थ्य जांच के बाद वन विभाग की टीम ने हिरण के बच्चे को जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया। टीम ने ग्रामीणों की भूमिका की सराहना की और वन्यजीवों के संरक्षण में ऐसे सहयोग को जरूरी बताया। इसे लेकर वनरक्षी टंडवा वनक्षेत्र महेश कुमार ने कहा कि स्थानीय ग्रामीणों की जागरूकता और सहयोग सराहनीय है। ऐसी भागीदारी से ही वन्यजीवों का संरक्षण संभव है।

जोनल आईजी ने बरवाडीह एसडीपीओ कार्यालय का किया निरीक्षण, नक्सलियों की संपत्ति जांच के दिए निर्देश



पलामू, एजेंसी। जोनल आईजी सुनील भास्कर ने मंगलवार को लातेहार के बरवाडीह के एसडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। दरअसल बरवाडीह झारखंड के अति नक्सल प्रभावित पुलिस अनुमंडल में से एक माना जाता है। बरवाडीह पुलिस अनुमंडल से ही बूढ़ा पहाड़ समेत कई इलाकों में नक्सल अभियान की मॉनिटरिंग की जाती है। बरवाडीह पुलिस अनुमंडल के अंतर्गत भी पलामू टाइगर रिजर्व का इलाका भी आता है।

पलामू के जोनल आईजी सुनील भास्कर मंगलवार को बरवाडीह एसडीपीओ कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान एसडीपीओ एवं थाना प्रभारी से आईजी ने कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी। आईजी ने नक्सल विरोधी अभियान की जानकारी ली और उसकी समीक्षा भी की। टॉप नक्सल कमांडरों को टारगेट कर अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है साथ ही साथ आत्मसमर्पण के लिए परिजनों से बातचीत करने का भी निर्देश दिया गया।

आईजी ने टॉप नक्सल कमांडरों के संपत्ति जांच के भी निर्देश दिए। जोनल आईजी सुनील भास्कर ने सभी पुलिस अधिकारियों को आम जनता के साथ संवाद स्थापित कर सिविक एक्शन कार्यक्रम चलाने को कहा। पुलिस एवं आम लोगों के बीच बेहतर समन्वय एवं समाधान को लेकर पहल करने को कहा गया है। थानों में तैनात सभी पुलिस पदाधिकारी खुफिया सूचनाओं को इकट्ठा करेंगे और इसकी जानकारी वरीय अधिकारियों के साथ साझा करेंगे। आईजी ने लंबित वारंट और मुकदमों को जल्द से जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया है।

राजमहल कोल परियोजना की सड़कें बनीं जानलेवा



गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा में ईसीएल की राजमहल कोल परियोजना अंतर्गत ललमटिया क्षेत्र की सड़कें इन दिनों बुरी तरह से जर्जर हो चुकी हैं। परियोजना क्षेत्र के भीतर और आसपास की सड़कें अब खतरनाक बन गई हैं, जिससे आवागमन एक बड़ी चुनौती बन गया है।

परियोजना के मेन रोड से लेकर ग्रामीण इलाकों को जोड़ने वाली सड़कों की हालत इतनी खराब है कि आम लोगों के साथ-साथ मरीजों और गर्भवती महिलाओं को भी अस्पताल पहुंचने में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बांसडीहा से भेरंडा के बीच लगभग दो किलोमीटर सड़क इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि एंबुलेंस तक यहां नहीं चल पा रही है।

यह सड़क न केवल स्थानीय लोगों के लिए अहम है, बल्कि गोड्डा को साहिबगंज और पाकुड़ जैसे जिलों से जोड़ता है। इसके बावजूद ईसीएल की उदासीनता साफ नजर आती है। इन सड़कों की मरम्मत की जिम्मेदारी ईसीएल की है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। खनन क्षेत्र के पास की सड़कें, जैसे गंगा सागर मार्ग, जो एरिया ऑफिस को जोड़ती है, पूरी तरह टूट चुकी हैं। गड्ढों में पानी जमा रहता है, जिससे न केवल दोपहिया वाहन चालकों को दिक्कत होती है, बल्कि छोटी गाड़ियां भी फंस जाती हैं। ललमटिया से सीमड़ा और फिर सीमड़ा से मोहनपुर तक की सड़कें भी बदहाल हैं। इन मार्गों पर कोयला ढोने वाले भारी वाहनों से गिरने वाली मिट्टी और कोयले की धूल से सड़कें और भी फिसलन भरी हो गई हैं। आए दिन बाइक सवार गिरकर घायल हो रहे हैं।

एम्बुलेंस चालक नवीन कुमार बताते हैं कि भेरंडा मार्ग से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं। मरीजों को समय पर अस्पताल ले जाना मुश्किल हो जाता है, खासकर डिलीवरी केस में स्थिति गंभीर हो जाती है। कई बार गाड़ियां फंस जाती हैं और मदद के लिए इंतजार करना पड़ता है।

ईसीएल के कई कर्मचारी भी इस स्थिति से परेशान हैं। कर्मचारी संपत का कहना है कि एरिया ऑफिस जाने वाली सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाता है और रास्ता और खतरनाक हो जाता है। स्थानीय लोग अब खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। जिन्होंने परियोजना के लिए अपनी जमीन दी थी, वे अब मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित हैं।

ईसीएल के एरिया इंजीनियर शिवम गौरव ने बताया कि क्षेत्र की सड़कों को लेकर जितना लोगो को परेशानी हो रही है। उतना चिंतित हम भी है। जल्द ही सड़कों का काम करवाया जाएगा।

झारखंड सरकार की बड़ी कार्रवाई, राजगंज थाना प्रभारी का जाति प्रमाण पत्र रद्द



धनबाद, एजेंसी। झारखंड सरकार के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने धनबाद जिले के राजगंज थाना प्रभारी अलीशा कुमारी का जाति प्रमाण पत्र रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई बोकारो के कालिकापुर निवासी प्रदीप कुमार रे की शिकायत के आलोक में की गई है।

शिकायतकर्ता ने अलीशा कुमारी द्वारा फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सहारे आरक्षण का लाभ लेने का आरोप लगाया था। इस मामले को लेकर प्रदीप कुमार रे ने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका भी दाखिल की थी। कोर्ट ने मामले को जाति छानबीन समिति को भेजने का निर्देश दिया था। विवादित प्रमाण पत्र संख्या जेएचसीसी/2017/229784 अलीशा कुमारी को तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी, डुमरी द्वारा निर्गत किया गया था। इसमें उन्हें बनिया (पिछड़ा वर्ग-2) के रूप में दर्शाया गया था।

जबकि जांच में सामने आया कि अलीशा का परिवार जामताड़ा पंचायत, डुमरी, गिरिडीह का स्थायी निवासी नहीं है। जांच के दौरान यह भी तथ्य सामने आया कि अलीशा के पिता ने वर्ष 1986 में जामताड़ा क्षेत्र में जमीन खरीदी थी, जिस पर दस वर्ष पूर्व मकान बना और उसे किराए पर दे दिया गया।

हालांकि परिवार खुद उस स्थान पर कभी स्थायी रूप से निवास नहीं किया। जाति प्रमाण पत्र निर्गत कराने के लिए अलीशा द्वारा स्वयं-घोषित शपथ-पत्र और पुराने दस्तावेजों का सहारा लिया गया था, जिन्हें सत्यापित करने के बाद समिति ने प्रमाण पत्र को अमान्य पाया।

समिति की ओर से अलीशा कुमारी को 10 फरवरी और 25 अप्रैल 2025 को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए पत्र भेजा गया था। 25 अप्रैल को अलीशा कुमारी और शिकायतकर्ता प्रदीप रे, दोनों अपने अधिवक्ताओं के साथ समिति के समक्ष उपस्थित हुए और पक्ष रखा। पर्याप्त साक्ष्यों एवं स्थायी निवास प्रमाण के अभाव में झारखंड राज्य की जाति छानबीन समिति ने अलीशा कुमारी को राज्य की स्थानीय निवासी मानने से इनकार करते हुए उनका जाति प्रमाण पत्र रद्द कर दिया। अलीशा कुमारी 2018 बैच की सब इंस्पेक्टर है और धनबाद के राजगंज थाना में थाना प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं।

मनोकामना पूरी होने पर हाथ के बल चलकर पहुंचा बाबा धाम



देवघर, एजेंसी। बाबा अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते हैं। सच्चे मन और समर्पण भरी आस्था से मांगी मुराद पूरा कर ही देते हैं। मुजफ्फरपुर के मिथिलेश कुमार को अपने आराध्य पर अटूट विश्वास है। घर में मिथिलेश सहित कुल चार भाई को संतान के रूप में पुत्र तो है लेकिन पुत्री नहीं। मिथिलेश ने बाबा से अपने छोटे भाई के लिए एक पुत्री का वरदान मांगा।बाबा उनके भाई की झोली पुत्री रत्न से भर देंगे तो वह अपनी भतीजी (भाई की बेटी) के साथ लकड़ी से बनाई छोटी-सी डोलीनुमा गाड़ी को खुद से खींचकर लाएंगे।

बाबा से यह भी कहा कि मन्नत पूरी होते ही दोनों हाथों के बल जमीन पर चलते हुए गाड़ी खींचेंगे और माता गंगा का जल अर्पित करेंगे। बाबा ने सुन ली और घर में बेटी की किलकारी गूंजी।

अब समय आ गया बाबा से किया वादा पूरा करने का लेकिन आ गई एक अड़चन। भाई ने अगले साल सावन में बेटी को लेकर कांवर यात्रा पर जाने की बात कही पर मिथिलेश मानने वाला कहां था, उसने भतीजी के स्थान पर उसकी तस्वीर उस गाड़ी में लगा दी।

अपने भतीजे को गाड़ी में बैठाकर हाथों से गाड़ी खींचते हुए बाबा धाम पहुंच गए। मिथिलेश ने कहा कि बेटी नहीं होगी तो बहु कहां से लाएंगे, बाबा की भक्ति के साथ उसने पूरे देश में एक बड़ा संदेश भी दे डाला।

15 दिन में आएगा 8200 शिक्षकों का रिजल्ट, एक शिक्षक वाले स्कूलों में होगी पोस्टिंग

रांची, एजेंसी। झारखंड में सरकारी स्कूलों को जल्दी ही 8200 शिक्षक मिलेंगे। इनमें पहली से पांचवीं तक के 5600 और छठी से आठवीं तक के 2600 विज्ञान शिक्षक होंगे। इनका रिजल्ट 15 दिन के अंदर जारी हो जाएगा। ज्यादातर प्राथमिक शिक्षकों की पोस्टिंग एक शिक्षक वाले स्कूलों में की जाएगी। वहां बच्चों की संख्या के अनुसार एक या दो शिक्षक भेजे जाएंगे। इनकी पोस्टिंग जिला स्तर पर होगी।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने शिक्षा एवं साक्षरता सचिव उमाशंकर सिंह को यह जानकारी दी। जेएसएससी के मुताबिक 2600 विज्ञान शिक्षकों का रिजल्ट अगले सप्ताह और 5600 प्राथमिक शिक्षकों का रिजल्ट इसके 10 दिन के भीतर जारी होगा। रिजल्ट जारी होने के एक माह के भीतर सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन और पदस्थापन की कार्रवाई करनी होगी। किस जिले में कितने शिक्षकों की नियुक्ति होगी, जेएसएससी यह जानकारी भी शिक्षा विभाग को देगा।

नियुक्ति परीक्षा में लेटलतीफी झारखंड की नियति बन गई है। घोषणाएं होती हैं, परीक्षा भी ली जाती है, लेकिन किसी न किसी कारण से रिजल्ट अटक जाता है। राज्य में दो संस्थाएं जेपीएससी और जेएसएसस मुख्य रूप से नियुक्ति परीक्षाएं आयोजित करती हैं। लेकिन दोनों एजेंसियों का यही हाल है। अभी भी तीन नियुक्ति परीक्षाएं ऐसी हैं, जिनकी परीक्षा करीब एक साल पहले हो चुकी है। लेकिन अब तक फाइनल रिजल्ट घोषित नहीं हुआ। जबकि इसमें कोई विवाद भी नहीं है। यही नहीं, कुछ परीक्षाओं का इंटरव्यू हो चुका है तो कुछ में सफल अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन तक हो चुका है। लेकिन अभ्यर्थी अब तक रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। परीक्षा कैलेंडर का अनुपालन न किए जाने के कारण ऐसे हालात बन रहे हैं। अगर ये रिजल्ट जारी हो जाए तो झारखंड को 830 अधिकारी मिल जाए। अभ्यर्थी रिजल्ट पर टकटकी लगाए हुए हैं, लेकिन कब जारी होगा, बताने वाला कोई नहीं।



जेएसएससी : 444 पदों पर लेडी सुपरवाइजर नियुक्ति परीक्षा

444 पदों पर नियुक्ति के लिए सितंबर 2024 में परीक्षा हुई थी। शॉर्ट लिस्टेड अभ्यर्थियों की पहली सूची 27 मई 2025 को जारी की गई, जिसमें 521 अभ्यर्थी थे। इनका डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 4 जून 2025 को किया गया। फिर अनुपस्थित अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 11 जून को हुआ। दूसरी सूची 7 जून 2025 को जारी हुई। 14 जून तक डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन हुआ, पर रिजल्ट अटका है।

जेपीएससी : 11वीं से 13वीं सिविल सेवा नियुक्ति परीक्षा

दो साल पहले 342 पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे। प्रारंभिक परीक्षा 22 अप्रैल 2024 को हुई, जिसमें 7011 अभ्यर्थी सफल हुए। मुख्य परीक्षा 22 से 24 जून 2024 तक ली गई। इसमें 864 अभ्यर्थी सफल हुए। 10 जून से 23 जून 2025 तक इनका डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन हुआ। इंटरव्यू भी 10 जून से शुरू हुआ था, जो पूरा कर लिया गया है। लेकिन फाइनल रिजल्ट अब तक नहीं आया है।

जेपीएससी : एसडीपीओ के 44 पदों के लिए परीक्षा

झारखंड में विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) के 44 पदों पर नियुक्ति के लिए दो साल पहले जेपीएससी ने वैकेंसी जारी की थी। इसकी प्रारंभिक परीक्षा 10 जून 2024 को आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 15 जुलाई 2024 को घोषित कर दिया गया है। इसके बाद मुख्य परीक्षा 2 से 4 अगस्त 2024 तक राज्य में विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की गई। लेकिन अभी तक इसका रिजल्ट घोषित नहीं किया गया है।

18-07-2025 Final_18-07-2025 Final.qxd 7/17/2025 11:35 PM Page 4



क्या एप्पल साइडर विनेगर सेहत को पहुंचाता है नुकसान?

एप्पल साइडर विनेगर का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। परफेक्ट फिगर से लेकर चमकदार स्किन पाने के लिए लोग इसका सेवन कर रहे हैं। एप्पल साइडर विनेगर को कुछ लोग वजन कम करने के लिए सुबह-सवेरे खाली पेट भी पी रहे हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं रोजाना एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करना आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। एप्पल साइडर विनेगर का लंबे समय तक सेवन करने से आपकी हेल्थ को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकता है। क्योंकि एप्पल साइडर विनेगर में बहुत ही स्ट्रांग एसिड होता है, जिसका लिमिट से ज्यादा सेवन नुकसानदायक हो सकता है। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का फायदा लेना है तो उसका सेवन पर्याप्त मात्रा में ही करने की सलाह दी जाती है। एप्पल साइडर विनेगर के नुकसान क्या-क्या हैं?

दांतों की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर बहुत ही ज्यादा एसिडिक होता है, यह ऐसे तो नुकसादायक नहीं लगता है। लेकिन इसका हद से ज्यादा सेवन करना आपके दांत खराब कर सकता है। दांतों पर एक लेयर होती है, जो लिमिट से ज्यादा एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से हट सकती है। लेयर हटने से दांतों में सेंसटिविटी और सड़न जैसी समस्या हो सकती है। अगर आपको अपने दांतों से प्यार है तो एप्पल साइडर विनेगर को पानी में मिलाकर और स्ट्रा से पी सकते हैं।

दवाइयों पर असर

अगर आपकी किसी तरह की दवा चल रही है, तो एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करते समय ज्यादा सावधानी की जरूरत है। क्योंकि इसमें मौजूद एसिड, दवाइयों के असर पर प्रभाव डाल सकता है। जिससे अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप किसी तरह की दवा ले रही हैं और एप्पल साइडर विनेगर को भी अपने रूटीन में शामिल करने के बारे में सोच रही हैं तो पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य ले लेनी चाहिए।

पेट की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर को डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन इसका लिमिट से ज्यादा सेवनपेट की समस्या हो सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में एसिड का सेवन करने से आपके पेट में जलन हो सकती है। खासकर, अगर आपका गट सेंसिटिव, खट्टे डकार या एसिडिटी की समस्या रहती है तो एप्पल साइडर विनेगर को एक लिमिट में ही लेना चाहिए।

स्किन इरिटेशन

एप्पल साइडर विनेगर का स्किन केयर ट्रीटमेंट्स में भी इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन, इसे स्किन पर डायरेक्ट लगाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे जलन और इरिटेशन की समस्या हो सकती है। स्किन के लिए एसिड बहुत हार्ड हो सकता है, ऐसे में इसे डायलियूट करके ही लगाएं। अगर आप एप्पल साइडर विनेगर का टोनर या एक्ने पर इस्तेमाल कर रही हैं, तो पहले थोड़े एरिया पर लगाकर चेक करें।

हड्डियों पर असर

क्या आप जानती हैं एप्पल साइडर विनेगर का बहुत ज्यादा सेवन करने से आपकी हड्डियों पर असर पड़ सकता है? एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट से ज्यादा सेवन, शरीर में पोटेशियम की मात्रा को कम करने से लिंक हो सकता है जिसकी वजह से बोन डेनसिटी भी समय के साथ कम हो सकती है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट में ही सेवन करना चाहिए।

एप्पल साइडर विनेगर के फायदे अनेक हैं, लेकिन किसी भी चीज का अति में सेवन करना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले उसके फायदे और नुकसान, दोनों के बारे में जान लेना चाहिए। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से किसी तरह का रिएक्शन होता है, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।



वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है। अगर आपको भी वैरिकोज वेंस की समस्या है, तो अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके आप इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके वैरिकोज वेंस की समस्या से पा सकते हैं राहत

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है।

कई बार इन नसों में ब्लीडिंग भी हो जाती है। वैरिकोज वेंस के कारण क्या हैं और किन आसान तरीकों की मदद से इन्हें मैनेज किया जा सकता है।

इस बारे में हमने डाइटीशियन, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट से बात की और उनसे इसे मैनेज करने के कुछ टिप्स जानें। आइए आपको बताते हैं।

वैरिकोज वेंस के कारण

- लंबे वक्त तक खड़े रहना
- वजन अधिक होना
- प्रेग्नेंसी
- नसों पर अधिक दबाव
- हार्मोनल इंबैलेंस
- बढ़ती उम्र

इस बात का ख्याल

पुराने वक्त में घरों में खाना बनाने के लिए चूल्हे का प्रयोग होता था। महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी लेकिन आज के वक्त में खड़े रहकर ही खाना बनाया जाता है। ये भी वैरिकोज वेंस की एक बड़ी वजह है। जब महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी तो वे लंबे वक्त तक खड़ी नहीं रहती थी जिससे वैरिकोज वेंस की समस्या कम देखने को मिलती थी। इससे पेल्विक मसल्स को भी फायदा होता था।

इन टिप्स को करें फॉलो

- अगर आपको वैरिकोज वेंस की समस्या है तो कुछ आसान टिप्स को फॉलो करके आप इसे मैनेज कर सकती हैं।
- लंबे समय तक खड़ी ना रहें। कुछ देर खड़ी रहने के बाद बैठ जाएं।
- पैरों पर अधिक प्रेशर न डालें।
- अगर आपका वजन अधिक है तो इसे कम करने की कोशिश करें।
- ज्यादा पानी पिएं।
- अपनी डाइट में ताजे फल और सब्जियों को शामिल करें।
- डॉक्टर से सलाह लेकर कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स पहनें। इससे वैरिकोज वेंस को बढ़ने से रोका जा सकता है।
- अगर समस्या ज्यादा है तो डॉक्टर से ट्रीटमेंट जरूर करवाएं।

वैरिकोज वेंस होने पर न करें ये 5 काम, बढ़ सकती है मुश्किल

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। यह कई कारणों से हो सकती हैं। अगर आपको यह समस्या है, तो कुछ कामों को करने से बचें वरना आपकी मुश्किल बढ़ सकती है।

वेरिकोज वेंस के बारे में काफी लोग नहीं जानते हैं। लेकिन, यह नसों से जुड़ी एक समस्या है। आपने कुछ लोगों के हाथ, पैर, एड़ी, पंजे या टखनों में नीली नसे या नसों के गुच्छे देखे होंगे। ये वेरिकोज वेंस होती हैं। इन्हें स्पाइडर वेंस भी कहा जाता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं और यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में देखने को मिलती है। आमतौर पर इनसे कोई खतरा नहीं होता है। लेकिन, कई बार ये मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। इनकी वजह से कई बार, टांगों में खून की सप्लाई पर असर होता है। कई लोगों को इनकी वजह से खड़े होने में परेशानी हो सकती है। वहीं, कई बार इनमें दर्द और जलन भी होती है। अगर आपको यह समस्या है, तो आपको कुछ कामों को पूरी तरह अवॉइड करना चाहिए।

वेरिकोज वेंस होने पर बिल्कुल न करें ये काम

- अगर आपको वेरिकोज वेंस की समस्या है, तो ज्यादा देर बिल्कुल खड़े न रहें। इससे आपकी दिक्कत बढ़ सकती है। ज्यादा देर खड़े रहने के कारण, नसों में खून जमने लगता है इससे नसों पर अधिक प्रेशर पड़ता है।
- वेरिकोज वेंज होने पर, आप भारी वजन न उठाएं। दरअसल, भारी वजन उठाने से नसों पर दबाव पड़ता है और इससे नसों में खिंचाव पैदा होता है। इसकी वजह से नसे कमजोर होने लगती हैं। ऐसा नहीं हैं कि आप बिल्कुल वजन नहीं उठा सकती हैं। लेकिन, अधिक भारी चीजों को उठाने से बचें।
- हाई हील्स वाले सैंडिल न पहनें। इससे ब्लड फ्लो बाधित होता है और नसों पर दबाव पड़ता है।
- वेरिकोज वेंस होने पर, आपको मुलायम और आरामदायक चप्पले पहननी चाहिए।
- अगर आपको वेरिकोज वेंस हैं, तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपको कब्ज न हो। अगर आपका पेट ठीक से साफ नहीं हो रहा है, आपको कब्ज है, तो इसकी वजह से पेट साफ होने पर नसों पर दवाब आता है और परेशानी बढ़ सकती है।
- अधिक कठोर या खुरदुरी जगह पर न चलें। इससे भी नसों पर प्रेशर आता है।





ट्रेवल के दौरान खराब नहीं होगा डाइजेशन अपनाएं ये टिप्स

क्या ट्रेवलिंग के दौरान आपका भी पेट गड़बड़ हो जाता है,गैसे और कब्ज से परेशान हो जाते हैं तो आप इन टिप्स को फॉलो करके इसमें आराम पा सकते हैं।

ट्रेवल करना मजेदार और रोमांच से भरा होता है, लेकिन अक्सर ट्रैवलिंग के दौरा पेट साथ नहीं देता है, अक्सर लोगों को एसिडिटी, कब्ज, जैसी दिक्कत हो जाती है जिसके कारण सफर का मजा किरकिरा हो जाता है, फ्रेशनेस महसूस नहीं होती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो हम आपको एक्सपर्ट के बताए कुछ टिप्स बता रहे हैं जिसे फॉलो करने से ट्रेवलिंग के दौर आपको दिक्कत नहीं होगी

- ट्रैवल के दौरान डाइजेशन को सही रखना है तो खाली पेट कैफ़ीन का सेवन करने से बचें, इससे एसिडिटी बढ़ाने की संभावना रहती है।
- रात को सोते वक्त नाभि में तेल जरूर लगाएं, इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है। पाचन बेहतर होता है और गैस की समस्याएं कम होती है। यह एक बेहद सरल और प्रभावी उपाय है।
- सूर्य नमस्कार करना ना भूलें, इससे न सिर्फ फिटनेस को बढ़ावा मिलता है बल्कि आपके पाचन तंत्र को भी सक्रिय करने में मदद मिलती है। यह पेट के अंगों में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है और पाचन क्रिया को मजबूत करता है।
- रोज सुबह एक चम्मच शहद का सेवन करें, यह नेचुरल लैक्सेटिव गुणों वाला होता है जो कब्ज और गैस की समस्याओं में मदद करता है।
- ट्रेवल के दौरान ठंडा खाना खाने से बचें, ठंडा खाद्य पदार्थ पाचन को धीमा कर सकते हैं, कोशिश करें कि आपके भोजन का तापमान सामान्य गर्म हो ताकी पाचन प्रक्रिया सुचारू बनी रहे।
- फलों और दूध को एक साथ ना खाएं, इससे ब्लोटिंग और असुविधा हो सकती है। फल जल्दी पचते हैं जबकि दूध में अधिक समय लगता है।
- सोने से पहले वज्रासन में जरूर बैठें, इससे पेट पर दबाव पड़ता है जो पाचन अंगों को सक्रिय करता है और भोजन को सही से पचने में मदद करता है।
- रात को सोने से पहले कैफीन का सेवन न करें, इससे आपकी नींद खराब हो सकती है और पाचन में बाधा आ सकता है।
- रात का खाना जल्दी खाने से आपके शरीर को भोजन पचाने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। इसे पोषक तत्वों का बेहतर अवशोषण होता है और असुविधा की संभावना कम होती है।



उम्र बढ़ने के साथ कमजोर होने लगती है पास की नजर

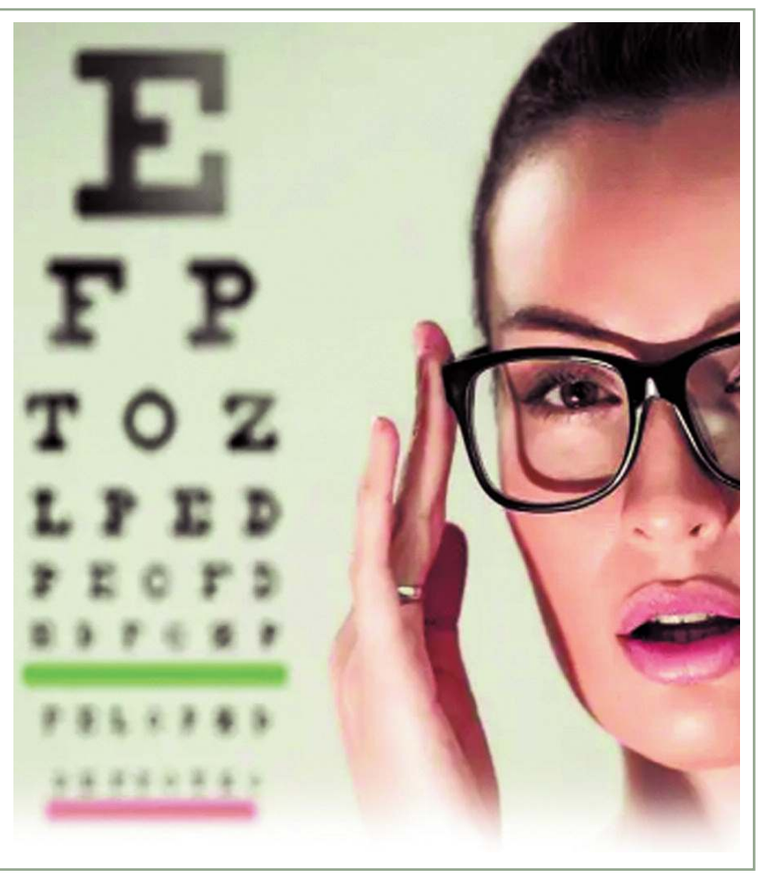
प्रेसबायोपिया यानी पास की नजर का कमजोर होना है। यह बीमारी उम्र के साथ होने वाले सामान्य बदलाव के कारण होती है जोकि 40 की उम्र के बाद देखने को मिलती है। हालांकि मोबाइल फोन और इसी तरह के अन्य गैजेट्स के इस्तेमाल करने से कई बार यह बीमारी उम्र से पहले ही नजर आने लगती है। इसमें नजर को पास में केंद्रित कर पाने में परेशानी होती है। खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरू में तो व्यक्ति मोबाइल या किताब को दूर कर पढ़ लेता है लेकिन बाद में दिखाई नहीं देता है।

कारण - इसका मुख्य कारण उम्र का अधिक होना है। यह बीमारी 40वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में आम है, लेकिन मोबाइल, कम्प्यूटर और टेबलेट्स के अत्यधिक इस्तेमाल से लोगों को जल्द ही चश्मा लग जाता है। एस्टीमैटिज्म (दृष्टिवैषम्य), नियरसाइटेडनेस (निकटदृष्टि दोष) और फारसाइटेडनेस (दूरदृष्टि दोष) के रूप में प्रेसबायोपिया में अंतर पाया जा सकता है, जो कि आंखों की पुतलियों के आकार से संबंधित है और आनुवांशिक व पर्यावरणीय कारणों से होते हैं।

लक्षण-इलाज - प्रेसबायोपिया के मरीजों को नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों से लिखने पर सिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस होने लगता है। अगर बीमारी की पहचान शुरुआती चरण में हो जाती है तो दिनचर्या में कुछ बदलाव कर इसको नियंत्रित किया जाता है, लेकिन बीमारी बढ़ने पर सर्जरी की जाती है। इसके लिए कंडक्टिव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्नियल इन-लेज आदि सर्जरी की जाती है।

चश्मा - बायफोकल या प्रोग्रेसिव लैंस लगे चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे अच्छे होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं। चश्मे के लैंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है जबकि लैंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष के लिए होता है। प्रोग्रेसिव प्रकार के लैंस बायफोकल लैंस के समान होते हैं लेकिन उनके बीच कोई लकीर नजर नहीं आती। इसको पहन सकते हैं।

जांचें - इसकी जांच भी आंखों की दूसरी बीमारियों की तरह ही होती है। डॉक्टर, पहले आंखों में दवा डालकर पुतलियों को फैलाते हैं। इसके बाद तेज रोशनी में आंखों की जांच करते हैं। इस प्रक्रिया में करीब एक घंटे का समय लगता है। इसके अलावा भी डॉक्टर कुछ अन्य टैस्ट भी करवाते हैं।



18-07-2025 Final_18-07-2025 Final.qxd 7/17/2025 11:35 PM Page 5

राजू इंजीनियर्स लिमिटेड का खुल गया है क्यूआईपी, 21 जुलाई को होगा बंद

मुंबई, एजेंसी। प्लास्टिक एक्सट्रूजन मशीनरी बनाने वाली गुजरात की कंपनी राजू इंजीनियर्स लिमिटेडक्यूआईपी के जरिये 180 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को यह जानकारी दी है। यह कंपनी राजकोट में है।

क्या हुई है घोषणा– शेयर बाजार को दी गई जानकारी में कंपनी ने बताया कि 15 जुलाई से इक्विटी शेयरों का क्यूआईपीजारी करने की मंजूरी मिल गई है। क्यूआईपी के जरिये दी जाने वाले शेयरों की फ्लोर प्राइस 114.42 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। कंपनी ने फाइलिंग में कहा है कि यह इश्यू 21 जुलाई को बंद हो जाएगा। कंपनी इस इश्यू पर 5 प्रतिशत तक की छूट दे सकती है।

कहां होगा पैसे का इस्तेमाल– कंपनी क्यूआईपीसे मिलने वाले 160 करोड़ रुपये का इस्तेमाल अपने कारोबार को बढ़ाने में करेगी।



यह विस्तार दूसरी कंपनियों को खरीदने के जरिये किया जाएगा। बाकी बचे पैसे का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट कार्यों में होगा।

कितनी है कंपनी की आमदनी– कंपनी ने 2024–25 में 253.65 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया। टैक्स चुकाने के बाद कंपनी का मुनाफा 38.11 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का कहना है कि इस पैसे से कंपनी और भी ज्यादा तरक्की करेगी।

टेस्ला के आने से भारतीय ईवी कंपनियों पर नहीं पड़ेगा असर, कंपनी भारत में नहीं बनाएगी कार

नईदिल्ली, एजेंसी। एलन मस्क के स्वामित्व वाली टेस्ला के भारतीय बाजार में कदम रखने से इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली घरेलू वाहन कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इसकी प्रमुख वजह टेस्ला कारों की अत्यधिक कीमत है। दरअसल, टेस्ला ने भारत में जिस मिड–साइज एसयूवी वाई मॉडल को लॉन्च किया है, उसकी शुरुआती कीमत करीब 60 लाख रुपये है। यह कार भारत में नहीं बनेगी, बल्कि टेस्ला इसे अपने शंघाई विनिर्माण प्लांट से पूरी तरह से निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में आयात करेगी।

बड़ी वजह...अत्यधिक कीमत– भारत में 40,000 डॉलर (34.38 लाख रुपये) तक



की कीमत वाली आयातित कारों पर 70 फीसदी और इससे अधिक मूल्य वाली कारों पर 100 फीसदी टैक्स लगता है। यह टैक्स लागत, बीमा और माल ढुलाई (सीआईएफ) पर लगाया जाता है। आयात शुल्क के कारण वाई मॉडल की शुरुआती कीमत टाटा मोटर्स की हैरियर.ईवी और महिंद्रा की एक्सईवी 9ई के टॉप वेरिएंट से काफी अधिक है।

भारत टेस्ला के लिए जरूरी है या मजबूरी विशेषज्ञों का कहना है, दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऑटो मार्केट भारत में ई–वाहन बाजार तेजी रफ्तार से बढ़ रहा है। इसके विपरीत, टेस्ला की वैश्विक ई–वाहन बिक्री जून तिमाही में 13.5 फीसदी घटी है और कंपनी को चीनी कारों से कड़ी चुनौती मिल रही है। ऐसे में टेस्ला के लिए भारत आना जरूरी हो गया था। भारतीय ई–वाहन बाजार के 2030 तक सालाना 22–25 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है।

जापानी कंपनियां भारत के कपड़ा क्षेत्र में निवेश करने को इच्छुक

एईपीसी ने जताया अनुमान

नईदिल्ली, एजेंसी। कपड़ा उद्योग में भारत और जापान की कंपनियों के बीच सहयोग बढ़ाने का सुनहरा अवसर मौजूद हैं। टोक्यो की कंपनियां भारत में निवेश करने की इच्छुक हैं। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने बुधवार को यह बात कही।

दोनों देशों के बीच हुई बैठक– एईपीसी के अध्यक्ष सुधीर सेखरी ने कहा कि परिधान क्षेत्र में व्यापार के अवसरों का पता लगाने के लिए दोनों देशों की कंपनियों के बीच कई बैठकें हुईं। टोक्यो में इंडिया टेक्स ट्रेंड फेयर (आईटीटीएफ) में कई घरेलू कंपनियां भाग ले रही हैं।

जापानी गुणवक्ता मानदंडों को पूरा करने के लिए भारत प्रतिबद्ध–उन्होंने कहा कि हमने जापान से सोर्सिंग बढ़ाने और भारत में अधिक निवेश करने को कहा है। यूनिक्लो, एडास्ट्रिया, टोरे, इटोकिन कंपनी, ब्रोक जापान, डाइसो, वाईकेके और पेगासस जैसे प्रमुख ब्रांडों के साथ हमारी सफल बैठकें हुई हैं। भारतीय उद्योग जापानी गुणवत्ता मानदंडों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सेखरी ने कहा कि हम अपने सभी जापानी साझेदारों को भारतीय प्रदर्शकों के साथ जुड़ने, सहयोगात्मक संभावनाओं का पता लगाने, पसंदीदा सोर्सिंग गंतव्य के रूप में भारत की ताकत और विश्वसनीयता का प्रत्यक्ष अनुभव करने के लिए आमंत्रित करते हैं।



वस्त्र मंत्री ने किया मेले का उद्घाटन

इस मेले का उद्घाटन वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने टोक्यो में किया। यह एक प्रमुख वस्त्र कार्यक्रम है। इसका आयोजन भारतीय दूतावास, वस्त्र मंत्रालय, एईपीसी और जापान-भारत उद्योग संवर्धन संघ (जेआईआईपीए) के सहयोग से किया जाता है।

डिविडेंड के बाद अब बोनस शेयर का ऐलान, हर 1 पर 2 शेयर फ्री देगी बाबा रामदेव की कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने गुरुवार, 17 जुलाई को अपनी बोर्ड बैठक के बाद अपने शेयरधारकों के लिए पहली बार बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की। कंपनी ने एक्सचेंज को दी गई जानकारी में बताया कि वह 2:1 के रेशियो में शेयर जारी करेगी। इसका मतलब है कि अगर किसी शेयरधारक के पास रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के एक शेयर होते हैं, तो उन्हें दो शेयर फ्री में दिए जाएंगे। बता दें कि कंपनी ने बोनस इश्यू की रिकॉर्ड डेट का ऐलान अभी नहीं किया है। कंपनी ने कहा कि वह रिकॉर्ड तिथि की घोषणा समय आने पर करेगी। बता दें कि बोनस शेयर जारी करने का उद्देश्य मौजूदा शेयरधारकों को रिवार्ड्स देना और बाजार में कंपनी के शेयरों की लिक्विडिटी बढ़ाना है।

डिविडेंड दे चुकी है कंपनी– कंपनी बोनस योजना के तहत लगभग 72,50,12,628 नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। बोनस शेयर आवंटित होने के बाद, कंपनी की कुल शेयर पूंजी वर्तमान 145.00 करोड़ (36,06,31,414 शेयरों पर आधारित) से बढ़कर 217.50 करोड़ (108,75,18,842 शेयरों पर आधारित) हो जाएगी।

क्या है डिटेल

पतंजलि फूड्स (जो पहले रुचि सोया के नाम से जानी जाती थी) को पतंजलि आयुर्वेद ने 2019 में दिवाला प्रक्रिया के माध्यम से अधिग्रहित कर लिया था। यह अधिग्रहण कुल 4,350 करोड़ की राशि में किया गया था। साल 2022 में कंपनी ने 4,300 करोड़ जुटाने के लिए रुचि सोया का फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर भी जारी किया था। इस राशि का अधिकांश हिस्सा रुचि सोया के मौजूदा कर्ज को चुकाने में इस्तेमाल किया गया था।

आगामी त्योहारी सीजन में 2.16 लाख से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

नईदिल्ली, एजेंसी। आगामी त्योहारी सीजन को लेकर कंपनियों ने तैयारी शुरू कर दी है। इस दौरान देशभर में 2.16 लाख से अधिक लोगों को अस्थायी रोजगार मिलने की उम्मीद है। रोजगार में यह सालाना आधार पर 15-20 फीसदी की वृद्धि है।

वर्कफोर्स सॉल्यूशंस फर्म एडेको इंडिया ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा, त्योहारी सीजन में खुदरा क्षेत्र, ई-कॉमर्स, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा, लॉजिस्टिक, आतिथ्य, यात्रा और एफएमसीजी क्षेत्रों में मांग बढ़ने की उम्मीद है। इस त्योहारी मांग को पूरा करने के लिए इन क्षेत्रों की कंपनियां भारी संख्या में कर्मचारियों की भर्तियां करेंगी।

एडेको इंडिया के निदेशक एवं जनरल स्टाफिंग के प्रमुख दीपेश गुप्ता का कहना है कि ग्रामीण इलाकों में मांग को बढ़ावा देने वाले अनुकूल मानसून, उपभोक्ता धारणा में सुधार, चुनाव के बाद के आर्थिक आशावाद और आक्रामक त्योहारी विज्ञापनों के कारण 2024 के मुकाबले इस साल का त्योहारी सीजन मांग एवं बिक्री के लिहाज से विभिन्न क्षेत्रों के लिए काफी अच्छा रहने वाला है।

अच्छी रहेगी बिक्री; 20 प्रतिशत बढ़ेंगे अवसर



भर्तियां करने में महानगरों के साथ वाराणसी जैसे शहर भी पीछे नहीं– रिपोर्ट में कहा गया है कि रक्षाबंधन, दशहरा एवं दिवाली जैसे आने वाले त्योहारों और शादियों के मौसम में बिक्री में तेजी आने की उम्मीद से अस्थायी कामगारों की भर्ती गतिविधियों में तेजी आई है। दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बंगलूरू, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता और पुणे जैसे महानगरों में त्योहारी भर्तियों की मांग सबसे अधिक है। इन शहरों में पिछले साल की तुलना में 19 फीसदी अधिक अवसर उपलब्ध हैं। लखनऊ, जयपुर, कोयंबटूर, नागपुर, भुवनेश्वर, मैसूरू और वाराणसी जैसे टियर-2 शहरों में मांग में 42 फीसदी की वृद्धि देखी जा रही है।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

लचीली और अल्पकालिक भूमिकाओं के लिए बढ़ती प्राथमिकता के कारण इस वर्ष की मौसमी भर्तियों में महिलाओं की भागीदारी में 23 फीसदी बढ़ोतरी देखी जा रही है।

उभरते शहरों में अधिक वेतन वृद्धि की उम्मीद

नई भर्तियों के दौरान मिलने वाले वेतन में महानगरों में 12–15 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है।वहीं, उभरते शहरों में वेतन में 18–22 फीसदी तक बढ़ोतरी की संभावना है।

ई-कॉमर्स और खुदरा क्षेत्र में सबसे अधिक काम मिलने की संभावना– कुल मौसमी भर्तियों में ई-कॉमर्स और खुदरा क्षेत्र का सबसे अधिक 35–40 फीसदी योगदान होगा। लॉजिस्टिक एवं आपूर्ति क्षेत्र में भर्तियां 30–35 फीसदी बढ़ने का अनुमान है।

डिजिटल दक्षता को प्राथमिकता

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियां भर्तियों के दौरान कई भाषाओं में दक्षता, ग्राहक–व्यवहार कौशल और डिजिटल दक्षता को प्राथमिकता दे रही हैं। खासकर इन–स्टोर बिक्री, क्रेडिट कार्ड प्रचार और डिलीवरी पूर्ति जैसी भूमिकाओं के लिए।

खुशखबरी: 70 प्रतिशत कर्मचारियों को मिलेगा 100 प्रतिशत वेरिएबल पे

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने जून महीने तक खत्म हुई तिमाही के लिए अपने करीब 70 प्रतिशत कर्मचारियों को 100 प्रतिशत वेरिएबल पे देने का ऐलान किया है। बाकी बचे कर्मचारियों का वेरिएबल पे उनके बिजनेस यूनिट के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। कंपनी ने पिछले हफ्ते कर्मचारियों को इस बारे में एक ईमेल भी भेजा।

ग्रेड के हिसाब से क्या है नियम– टीसीएस में कर्मचारियों के ग्रेड होते हैं, जैसे शुरुआती स्तर), फिर सी1, सी2, सी3, सी4, सी5 और सबसे ऊपर सीएक्सओ है। कंपनी के मुताबिक, सी2 ग्रेड तक के सभी कर्मचारियों को उनका पूरा तिमाही वेरिएबल अलाउंस मिलेगा। वहीं, सी3 ग्रेड और उससे ऊपर वाले वरिष्ठ कर्मचारियों का वेरिएबल पे उनकी बिजनेस यूनिट के प्रदर्शन के आधार पर तय होगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक टीसीएस के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी यानी एचआर हेड मिलिंद लक्कड़ ने यह जानकारी ईमेल में दी।

सालाना वेतन बढ़ोतरी पर अभी मंथन जारी– हालांकि, कंपनी ने तिमाही वेरिएबल पे तो दे दिया है, लेकिन सालाना वेतन वृद्धि (वेज हाइक) पर फैसला अभी नहीं हुआ है। कंपनी का कहना है कि मौजूदा आर्थिक हालात (कमजोर मैक्रो एनवायरनमेंट) के चलते यह फैसला लेना बाकी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के सीईओ के कृतिवासन ने पिछले हफ्ते कहा कि ग्राहकों के फैसले लेने और प्रोजेक्ट शुरू करने में देरी हो रही है।

इंक्रीमेंट टला

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने अपने कर्मचारियों के वे इंक्रीमेंट को एक और क्वार्टर के लिए टाल दिया है। एचआर हेड ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, हम अभी तक वेतन वृद्धि चक्र पर कोई निर्णय नहीं ले पाए हैं। पहले टीसीस हर साल 1 अप्रैल (वित्तीय वर्ष की शुरुआत) पर वेतन वृद्धि लागू करती थी।

टाटा की कंपनी ने इस फर्म में हासिल किए 3.3 लाख शेयर, 950 के पार जा सकता है भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह की हॉस्पिटैलिटी कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड ने एक बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि उसने पूर्ण स्वामित्व वाली शाखा ईएलईएल होटल एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड में राइट्स इश्यू के जरिए 165 करोड़ रुपये से अधिक के 3.3 लाख इक्विटी शेयर हासिल किए हैं। इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि ईएलईएल होटल एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के पास बैंडस्टैंड बांद्रा में भूमि पार्सल के लिए लीजहोल्ड अधिकार हैं, जिसके तहत ताज बैंडस्टैंड को विकसित करने का प्रस्ताव है।



कंपनी ने राइट्स इश्यू के माध्यम से 5,000 रुपये प्रति शेयर के इश्यू प्राइस पर 10 रुपये अंकित मूल्य के 3,30,043 इक्विटी शेयर 4,990 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम पर नकद में खरीदे, जो कुल मिलाकर 165.02 करोड़ रुपये है। बता दें कि इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक 17/07/2025 को निर्धारित है। कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ, 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए नतीजे जारी होने की उम्मीद है।

शेयर का हाल

इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के शेयर बुधवार को 0.77 प्रतिशत बढ़कर 751.25 रुपये पर बंद हुए। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 894.15 रुपये है। वहीं, शेयर के 52 हफ्ते का लो 571.15 रुपये है। शेयर के ये दोनों भाव पिछले साल थे। बीते दिनों ब्रोकरेज जेफरीज ने शेयर के लिए टारगेट प्राइस 980 रुपये प्रति शेयर तय किया था।

मार्च तिमाही के नतीजे

इंडियन होटल्स कंपनी का मार्च तिमाही में नेट प्रॉफिट 28.4 प्रतिशत बढ़कर 562.66 करोड़ रुपये हो गया। देश की सबसे बड़ी होटल कंपनी को एक साल पहले की समान अवधि में 438.33 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। मार्च तिमाही में इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड का परिचालन राजस्व एक साल पहले के 1,905.34 करोड़ रुपये से 27.3 प्रतिशत बढ़कर 2,425.14 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, इस अवधि में कंपनी का कुल खर्च एक साल पहले की समान अवधि के 1,416.77 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,764.26 करोड़ रुपये हो गया।

पावर कंपनी से मिला बड़ा ऑर्डर शेयर खरीदने की मची लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। पीएनसी इंफ्राटेक के शेयर की कीमत में आज गुरुवार को 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई। बीएसई पर स्मॉल–कैप शेयर 6.6 प्रतिशत बढ़कर 331.80 प्रति शेयर पर पहुंच गया था। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है।



दरअसल, पीएनसी इंफ्राटेक ने कहा है कि उसे सरकारी हाइड्रोपावर कंपनी एनएचपीसी से ऑर्डर मिला है।

कंपनी ने क्या कहा– पीएनसी इंफ्राटेक ने कहा कि वह भारत में 600 मेगावाट/2400 मेगावाट एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (ईएसएस) के साथ 1200 मेगावाट आईएसटीएस (अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली) से जुड़ी सोलर परियोजनाओं की स्थापना के लिए एनएचपीसी द्वारा जारी निविदा में सबसे कम (एलएलआई) बोलीदाताओं में से एक के रूप में उभरी है। कंपनी ने यह परियोजना टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) और इलेक्ट्रॉनिक (ऑनलाइन) रिवर्स एक्शन मैकेनिज्म के माध्यम से हासिल की है। यह परियोजना 3.13 प्रति किलोवाट घंटा की उद्धृत कीमत पर ग्रीन शू विकल्प के साथ भी उपलब्ध है। सप्लाई की तय शुरुआती तारीख (एससीएसडी) पीपीए (बिजली खरीद समझौते) की प्रभावी तिथि से 24 महीने होगी और पीपीए (संचालन अवधि) एससीएसडी से 25 वर्ष की अवधि के लिए होगी।

एनलिस्ट की राय– लक्ष्मीश्री इन्वेस्टमेंट्स के रिसर्च प्रमुख अंशुल जैन ने कहा कि पीएनसी इंफ्राटेक का शेयर 106 दिनों के तेजी वाले कप एंड हैंडल पैटर्न से बाहर निकलने के कगार पर है, जिसका ब्रेकआउट स्तर 325 है। जैन ने कहा, वॉल्यूम 50–दिवसीय औसत के 451 प्रतिशत से अधिक हो गया है, जो इस कदम का समर्थन करने वाले संस्थागत निवेशकों का एक मजबूत संकेत है। इस ब्रेकआउट को जारी रखने के लिए, पीएनसी इंफ्राटेक के शेयर की कीमत निकट भविष्य में 325 से ऊपर निश्चित रूप से बंद होनी चाहिए।

40,000 करोड़ का डिविडेंड...

अंबानी-अडानी से ज्यादा कमा गए शिव नाडर और अनिल अग्रवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के कुछ सबसे अमीर अरबपति और भी अमीर हो गए हैं। उनकी कमाई स्टॉक मार्केट में तेजी या आईपीओ से नहीं हुई। बल्कि उन्हें सीधे कैश मिला। फाइनेंशियल ईयर 2025 में मुकेश अंबानी, गौतम अडानी और अनिल अग्रवाल जैसे देश के 10 सबसे बड़े कारोबारियों को डिविडेंड के तौर पर 40,000 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम मिली। इससे साफ है कि भारत की कंपनियां खूब पैसा कमा रही हैं। लगभग सभी सेक्टरों में डिविडेंड की इनकम बढ़ी है। इसमें टेक्नोलॉजी, टेलीकॉम, मेटल और फार्मा जैसी कंपनियां शामिल हैं।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के मालिक और देश के सबसे बड़े दानवीर शिव नाडर को वित्त वर्ष 2025 में सबसे ज्यादा 9,902 करोड़ रुपये का डिविडेंड मिला। यह जानकारी रेगुलेटरी फाइलिंग और ब्लूम्बर्ग इक्विटी से मिली है। एचसीएल ने हर शेयर पर 60 रुपये का डिविडेंड दिया। कंपनी ने कुल 16,290 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया। नाडर परिवार की कंपनी में 60.81 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 80 साल के नाडर 37.3 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ भारत के तीसरे सबसे अमीर आदमी हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में वह 50वें नंबर पर हैं।



अनिल अग्रवाल दूसरे नंबर पर– सबसे ज्यादा डिविडेंड पाने वाले अमीरों की लिस्ट में वेदांता के अनिल अग्रवाल दूसरे नंबर पर हैं। उनके परिवार को डिविडेंड के तौर पर 9,591 करोड़ रुपये मिले। वेदांता ने एफवाय25 के लिए कुल 17,009 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया। लेकिन, कंपनी पर इतना ज्यादा कैश बांटने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शॉर्ट-सेलर वाइसराय ने हाल ही में पूछा था कि कंपनी इतना डिविडेंड दे भी पाएगी या नहीं अग्रवाल परिवार की कंपनी में 56.38 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह हिस्सेदारी कई अनलिस्टेड होल्डिंग कंपनियों के जरिए है।

इन्फोसिस ने किया मालामाल

देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस के प्रमोटरों को कुल मिलाकर 2,331 करोड़ रुपये का डिविडेंड मिला। कंपनी के प्रमोटर्स में एन आर नारायण मूर्ति, नंदन नीलेकणि, एस डी शिबुलाल, एस गोपालकृष्णन और के दिनेश शामिल हैं। प्रमोटर समूह की कंपनी में 14.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी ने एफवाय25 में 43 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 17,854 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया। भारती एयरटेल के मालिक सुनील भारती मित्तल और उनके परिवार को डिविडेंड के तौर पर 2,357 करोड़ रुपये मिले। इस टेलीकॉम कंपनी ने निवेशकों को 16 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया। भारत के पहले फार्मा अरबपति दिलीप सांघवी को सन फार्मा से एफवाय25 में 2,091 करोड़ रुपये मिले। कंपनी ने 3,839 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया और प्रमोटर समूह की 54.48 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

चौंकाने वाला नाम– गौतम अडानी और उनके परिवार को उनकी ग्रुप कंपनियों से डिविडेंड के तौर पर 1,460 करोड़ रुपये मिले।

18-07-2025 Final_18-07-2025 Final.qxd 7/17/2025 11:35 PM Page 6

बेलिंगहैम ने करवाई कंधे की सर्जरी, ला लीगा के शुरुआती मैच से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी । रियल मैड्रिड के मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम ने अपने कंधे की सफल सर्जरी करवाई है। ऐसे में अब बेलिंगहैम को कम से कम छह हफ्तों के लिए मैदान से दूर रहना होगा। वह ला लीगा के शुरुआती मुकाबले नहीं खेल सकेंगे। बेलिंगहैम को नवंबर 2023 से कंधे में तकलीफ थी। ला लीगा मैच के दौरान उनका कंधा खिसक गया था। तभी से बेलिंगहैम अपनी जर्सी के नीचे सपोर्ट ब्रेस पहनकर खेलते रहे।

बेलिंगहैम ने क्लब वर्ल्ड कप के बाद ही सर्जरी कराने का फैसला किया था, ताकि रियल मैड्रिड के लिए उस टूर्नामेंट में खेल सकें। हालांकि, उनकी टीम सेमीफाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन से हारकर बाहर हो गई थी।

रियल मैड्रिड ने अपने बयान में कहा, बार-बार होने वाले खिसकाव की समस्या के इलाज के लिए जूड बेलिंगहैम के कंधे की सर्जरी हुई। यह ऑपरेशन डॉक्टर मैनुएल लेयेस और एंड्रयू वालेस ने रियल मैड्रिड मेडिकल सर्विसेज की निगरानी में किया। अब बेलिंगहैम रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे, जिसके बाद ट्रेनिंग शुरू कर सकेंगे। स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड अब नए मैनेजर शाबी अलोंसो के नेतृत्व में है। टीम 19 अगस्त को ओसासुना के खिलाफ घरेलू मैच से ला लीगा सीजन की शुरुआत करेगी।

बेलिंगहैम न सिर्फ शुरुआती लीग मुकाबलों से बाहर रहेंगे, बल्कि कुछ चैंपियंस लीग मुकाबले और



सितंबर में इंग्लैंड के अंडोरा और सर्बिया के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स भी मिस कर सकते हैं।

जूड बेलिंगहैम ने बोरुसिया डॉर्टमंड से रियल मैड्रिड आने के बाद अब तक सभी प्रतियोगिताओं में क्लब के लिए 100 मुकाबले खेले हैं।

प्रज्ञानंद ने कार्लसन को हराया

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में संयुक्त बढ़त बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने लास वेगास में फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर में दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन पर शानदार जीत दर्ज की। 19 वर्षीय प्रज्ञानंद ने पांच बार के विश्व चैंपियन को मात्र 39 चालों में मात दी। नॉर्वे के ग्रैंडमास्टर कार्लसन, जो हाल ही में भारत के मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश से लगातार हार चुके हैं, उन्हें एक और हार का सामना करना पड़ा। कार्लसन को 19 साल के आर प्रज्ञानंद ने टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज के चौथे राउंड में हरा दिया। इस टूर्नामेंट में हर खिलाड़ी को 10 मिनट का समय और हर चाल पर 10 सेकंड अतिरिक्त मिलते हैं। प्रज्ञानंद अब आठ खिलाड़ियों वाले ग्रुप व्हाइट में 4.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं। प्रज्ञानंद ने टूर्नामेंट की शुरुआत नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ काले मोहरों से ड्रॉ खेलकर की। इसके बाद उन्होंने असाउबायेवा को हराया। तीसरे राउंड में उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए कीमर को हराया और फिर चौथे राउंड में कार्लसन को चौंका दिया। हालांकि, कार्लसन पेरिस और कार्लजूए में फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीत चुके हैं। वह पूरे टूर में शीर्ष पर थे, लेकिन उन्हें अब लास वेगास में



खिताबी दौड़ से बाहर होना पड़ा है। राउंड-रॉबिन चरण में उतार-चढ़ाव भरे दिन के बाद कार्लसन अपने ग्रुप में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहे और प्लेऑफ में लेवोन अरोनियन से हारकर बाहर हो गए। अब वह निचले ब्रैकेट में पहुंच गए हैं, जहां तीसरे से ऊपर नहीं आ सकते। कार्लसन ने दो जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन फिर उनकी परफॉर्मेंस गिर गई। प्रज्ञानंद और वेस्ली सो से हार और दो ड्रॉ के बाद, उन्हें अंतिम दौर में जीत की जरूरत थी, ताकि टाईब्रेकर हो सके। उन्होंने बिबिसारा अस्सौबायेवा को हराया, लेकिन फिर दोनों प्लेऑफ गेम अरोनियन से हार गए। इसके चलते वह टॉप ब्रैकेट में नहीं जा सके। इसी ग्रुप में, प्रज्ञानंदा, नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और जावोखिर सिंडारोव ने 4.5/7 अंक हासिल करके तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। अरोनियन ने 4 अंक हासिल किए और कार्लसन को पछाड़ दिया।

ब्लैक ग्रुप में हिकारू नाकामुरा ने शानदार प्रदर्शन किया और 7 में से 6 अंक लेकर टॉप पर रहे। हांस नीमन, जिन्होंने शुरुआत में 5 में से 4.5 अंक हासिल किए थे, उन्होंने भी अगले दौर में जगह बना ली। उनके साथ फैबियानो कारूआना और अर्जुन एरिगैसी भी आगे बढ़े। कारूआना ने अपने शुरुआती छह मुकाबले ड्रॉ खेले थे, लेकिन आखिरी राउंड में नीमन को हराकर जरूरी जीत दर्ज की। लास वेगास के विंन होटल में फ्रीस्टाइल शतरंज की यूएस में पहली बार हो रही शुरुआत के साथ अब 16 खिलाड़ी नॉकआउट स्टेज में पहुंच चुके हैं। इनमें से आधे खिलाड़ी, जैसे कार्लसन और कीमर, निचले ब्रैकेट से आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे, जबकि बाकी खिलाड़ी सीधे खिताब की दौड़ में बने रहेंगे।

गुरुवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। इनमें हारने वाले खिलाड़ी ऊपरी ब्रैकेट से निकलकर निचले ब्रैकेट में चले जाएंगे, जबकि जीतने वाले खिलाड़ी 2 लाख अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि के लिए मुकाबला जारी रखेंगे।

जापान ओपन बेडमिंटनः

सिंधू के बाद लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग भी हारे, जापान ओपन से हुए बाहर



टोक्यो, एजेंसी। 23 वर्षीय लक्ष्य ने पहले मैच में चीन के वांग झेंग जिंग पर 21-11, 21-18 से जीत दर्ज की थी, लेकिन वह अपनी इस लय को बरकरार नहीं रख सके। भारतीय खिलाड़ियों का जापान ओपन में निराशाजनक प्रदर्शन गुरुवार को भी जारी रहा। लक्ष्य सेन और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी दूसरे दौर में हारकर इस सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। विश्व के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य को पुरुष एकल में जापान के कोडाई नाराओका के हाथों 19-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला करीब एक घंटे तक चला। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले मैच में चीन के वांग झेंग जिंग पर 21-11, 21-18 से जीत दर्ज की थी, लेकिन वह अपनी इस लय को बरकरार नहीं रख सके। इससे पहले पुरुष युगल में सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी को चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 44 मिनट तक चले मुकाबले में 22-24, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता वेई केंग और वांग चांग ने भारतीय जोड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 7-2 कर लिया। सात्विक और चिराग ने धीमी शुरुआत की लेकिन जल्द ही लय हासिल करके पहले गेम में 18-14 से बढ़त बना ली। भारतीय जोड़ी हालांकि अपनी इस लय को बरकरार नहीं रख पाई और चीन की जोड़ी ने वापसी करते हुए पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भारतीय टीम आक्रमण और रक्षा दोनों में लड़खड़ा गई और उसे वेई केंग और वांग चांग के खिलाफ लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा।

हॉकी

प्रो लीग का प्रदर्शन एशियाई खेलों और विश्व कप से पहले अच्छा सबक, श्रीजेश का टीम इंडिया को लेकर बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीजेश ने बुधवार की रात को एक कार्यक्रम के दौरान कहा, मुझे लगता है कि खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए। हमने कड़ी चुनौती दी लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है जब परिणाम आपके पक्ष में नहीं आते हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान और गोलकीपर पी आर श्रीजेश का मानना है कि हाल ही में समाप्त हुई एफआईएच प्रो लीग अगले साल होने वाले एशियाई खेलों और विश्व कप से पहले पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम के लिए अच्छा सबक है। भारत को प्रो लीग के यूरोपीय चरण में संघर्ष करना पड़ा और वह नौ टीमों में से आठवें स्थान पर रहा। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत की कांस्य पदक विजेता टीमों का हिस्सा रहे श्रीजेश का मानना है कि खिलाड़ियों ने बहुत खराब प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन दुर्भाग्य से परिणाम टीम के पक्ष में नहीं रहे।

श्रीजेश ने बुधवार की रात को एक कार्यक्रम के दौरान कहा, मुझे लगता है कि खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए। हमने कड़ी चुनौती दी लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है जब परिणाम आपके पक्ष में नहीं आते हैं। हमारी तैयारी अच्छी थी, लेकिन दुर्भाग्य से परिणाम हमारे लिए अच्छे नहीं रहे लेकिन कोचों के पास एशिया कप के लिए टीम तैयार करने के लिए पर्याप्त समय है और निश्चित रूप से अगले



साल एशियाई खेल और विश्व कप भी है।

श्रीजेश ने कहा, मुझे लगता है कि इस प्रो लीग ने हमें विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी के लिए कड़ा सबक सिखाया है। एशियाई खेलों का आयोजन 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक जापान के आइची-नागोया में किया जाएगा। विश्व कप 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में आयोजित किया जाएगा। पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद संन्यास लेने के बाद श्रीजेश अब भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम के कोच हैं और वह इसका आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरी दिनचर्या पहले जैसी ही है। जब आप सुबह जल्दी उठते हैं तो खिलाड़ियों को तैयार करने के बारे में सोचते हैं। यह सुनिश्चित करते हैं कि वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं और बाकी दिन अगले सत्र की तैयारी करते हैं। अंतर सिर्फ इतना है कि पहले शारीरिक हिस्से पर अधिक जोर देना पड़ता था लेकिन अब दिमाग पर ज्यादा जोर देना पड़ता है लेकिन मैं इसका पूरा आनंद ले रहा हूं।

भारत इस वर्ष 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में एफआईएच जूनियर विश्व कप की मेजबानी करेगा और श्रीजेश अपने खिलाड़ियों को तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, उनके (खिलाड़ियों) लिए सबसे बड़ी चुनौती जूनियर विश्व कप है क्योंकि चार देशों के टूर्नामेंट और इस तरह की अन्य प्रतियोगिताएं उन पर जूनियर विश्व कप जितना दबाव नहीं डालतीं। मेरा काम उन्हें इन टूर्नामेंट के लिए अच्छी तरह से तैयार करना है।

जूनियर विश्व कप में भारत को पूल बी में पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण जूनियर विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं, लेकिन श्रीजेश किसी एक विशेष टीम पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम एक ही पूल (भारत और पाकिस्तान) में हैं, लेकिन मैं नहीं चाहता कि मेरे खिलाड़ी किसी एक विशेष टीम के बारे में सोचें।

ऋषभ पंत को तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है: जैक रसेल

लंदन, एजेंसी। लंदन के एक पॉश इलाके में पेंटिंग बनाने में व्यस्त इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज जैक रसेल का मानना है कि भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने खेल से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं लेकिन उन्हें विकेटकीपिंग की कुछ तकनीकी खामियों को दूर करने की जरूरत है। रसेल को क्रिकेट जगत की खबरों पर नजर रखना पसंद है। अगर वह मैदान पर नहीं होते तो वह लाइव स्कोर देखते हैं। वह रोज पेंटिंग करते है, फिर भी उन्होंने भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट के लिए लॉर्ड्स जाने का समय निकाला।



खुद एक विकेटकीपर होने के नाते उनके पास जैमी स्मिथ और पंत जैसे खिलाड़ियों के लिए एक सलाह भी है। उन्होंने कहा, 'कई अच्छे विकेटकीपर रहे हैं। मैं कहूंगा कि मेरे समय में एलन नॉट और बॉब टेलर मेरे दो नायक थे। रसेल ने कहा, 'लेकिन मुझे सैयद किरमानी को देखना पसंद था। जब मैं छोटा था, तब मैं उन्हें बहुत देखता था। मुझे लगता था कि वह एक अच्छे विकेटकीपर हैं। मौजूदा विकेटकीपरों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'पंत की बात करूं तो आपको उन्हें खेलते हुए देखना पंसद आएगा ही। वह चाहे बल्लेबाजी कर रहे हों, या विकेटकीपिंग, आपको उन्हें देखना अच्छा लगेगा। इसलिए वह एक मनोरंजक खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'और यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि वह कार दुर्घटना के बाद भी क्रिकेट भी खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि युवा खिलाड़ी जैमी स्मिथ इंग्लैंड के सर्वकालिक महानतम बल्लेबाज और विकेटकीपर बनेंगे क्योंकि उनमें बहुत हुनर है। आप उसे गिलक्रिस्ट की श्रेणी में रख सकते हैं। पंत की विकेटकीपिंग में किसी कमी के बारे में पूछने पर रसेल ने कहा, 'वह गलतियां करेगा क्योंकि तकनीकी रूप से कुछ चीजें हैं जिन्हें दूर करने की जरूरत है। लेकिन वह शानदार प्रदर्शन करेगा और गलतियां भी करेगा। ज्यादातर विकेटकीपर गलतियां करते हैं। इंग्लैंड में विकेट लेना काफी मुश्किल है। इसलिए वह यहां परफेक्ट नहीं होगा, लेकिन उसकी बल्लेबाजी बहुत मजबूत है। रसेल ने कहा, 'पर उसे विकेटकीपिंग में कुछ काम करने की जरूरत है, स्टंप तक खड़े होने में बस थोड़े-बहुत बदलाव करने होंगे। अगर वह मुझसे पूछेगा तो मैं उसे बता दूंगा। लेकिन ये छोटी चीजें हैं। यह 61 वर्षीय काउंटी क्रिकेट से संन्यास लेने के 20 साल से भी ज्यादा समय बाद अपनी चित्रकला के जरिए खेल से जुड़े हुए हैं। राइडर स्ट्रीट स्थित गैलरी की यात्रा किसी भी क्रिकेट प्रेमी को पुरानी यादों की सैर करा देगी। वह सोशल मीडिया पर अपनी पेंटिंग्स प्रोमोट करते हैं जिसमें उनके ज्यादातर फोलोअर्स भारतीय हैं। रसेल ने हाल में इंग्लैंड के लिए खेलने वाले पहले भारतीय रणजीतसिंहजी का चित्र बनाया। रसेल ने कहा, 'हर साल मैं इतिहास के पन्नों से किसी का चित्र बनाने की कोशिश करता हूं। पिछले साल मैंने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डगलस जार्डिन का चित्र बनाया था। इस साल मैंने रणजीतसिंहजी को चुना। अगर आप उनके बारे में पढ़े और उनके करियर पर नजर डालें तो वे एक 'स्ट्रोक प्लेयर थे।

मैंने यह ऋषभ पंत से सीखा है, दीप्ति शर्मा ने एक हाथ से लगाए छक्के का श्रेय पंत को दिया

साउथेम्प्टन (यूके), एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ पहले वनडे में अपनी शानदार पारी पर बात की, जहां वह जेमिमा के साथ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रही थीं और ऐसे ही मौके का इंतजार कर रही थीं। दीप्ति शर्मा के शानदार अर्धशतक और ऑलराउंडर स्नेह राणा के शानदार स्पेल ने गुरुवार को साउथेम्प्टन में तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे में इंग्लैंड पर चार विकेट से जीत हासिल करने में भारत की अहम भूमिका निभाई। भारतीय महिला टीम ने अब अपने पिछले 12 वनडे में से 11 जीते हैं, और यह सिलसिला दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू हुआ था।

दीप्ति शर्मा ने मैच के बाद कहा, मैं ऐसे ही मौके का इंतजार कर रही थी। मैं जेमिमा के साथ साझेदारी बनाना चाहती थी, लगातार 5-6 रन प्रति ओवर



बनाना चाहती थी। (उनके स्वीप शॉट्स पर) मैंने शुरुआती दिनों में इस पर काफी काम किया है, और इस तरह की पिच पर इससे मदद मिलती है। (एक हाथ से छक्का लगाने पर) मैं ये शॉट अभ्यास में खेलती हूं, मैंने ये ऋषभ पंत से सीखा है। हम पहले भी इंग्लैंड में खेल चुके हैं, हमें इन परिस्थितियों में मजा आता है।

दीप्ति शर्मा इस मैच में भारत की ओर से सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं और उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया। दीप्ति के नाबाद 62 रन भारतीय महिला टीम के लिए वनडे में छठे या उससे नीचे के क्रम पर रनों का पीछा करते हुए बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ वेदा कृष्णमूर्ति के 52* रन (विजयवाड़ा, 2016) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

बांग्लादेशी स्पिनर महेदी हसन की शानदार गेंदबाजी, हरभजन सिंह का 13 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

ढाका, एजेंसी। स्पिनर महेदी हसन ने बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच निर्णायक टी20आई मैच में 4-1-11-4 के औसत से शुरुआत की जिससे टाइगर्स ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में मैच और सीरीज दोनों जीतते हुए इतिहास रच दिया। एक छोर से गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए महेदी ने हरभजन सिंह का 13 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। महेदी ने पावरप्ले में दो ओवर फेंकते हुए किफायती चार विकेट लिए जिससे उन्होंने श्रीलंका के शीर्ष 5 बल्लेबाजों में से चार को आउट कर दिया, जिससे श्रीलंकाई टीम कोलंबो में निर्णायक मैच में सिर्फ 132/7 पर सिमट गई।

महेदी ने अपने शानदार स्पेल के जरिए आर प्रेमदासा स्टेडियम में टी20आई मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मेहमान गेंदबाज होने का हरभजन का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरभजन ने 2012 के टी20 विश्व



कप में इंग्लैंड के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया था और केवल 12 रन देकर 4 विकेट लिए थे जबकि महेदी ने 4 विकेट के लिए 11 रन दिए।

किसी गेंदबाज के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का रिकॉर्ड इस भारतीय स्पिनर के नाम था, लेकिन 2021 की सीरीज में वानिंदु हसरंगा ने 4-9 के उल्लेखनीय आंकड़े के साथ भारतीय के रिकॉर्ड को तहस-नहस कर दिया। जोश हेजलवुड (4-16) और महेदी के हमवतन मुस्तफिजुर रहमान (4-21) जैसे खिलाड़ियों ने पिछले कुछ वर्षों में मेहमान खिलाड़ियों के रूप में हरभजन के रिकॉर्ड को चुनौती दी है, लेकिन बांग्लादेशी स्पिनर ने इसे तोड़ा।

महेदी ने तीसरे नंबर पर आए कुसल परेरा के विकेट के साथ शुरुआत की जो पारी के दूसरे ओवर में गोल्डन डक पर आउट हो गए। स्पिनर ने पावरप्ले के पांचवें ओवर में दिनेश चांदीमल का विकेट लिया, इसके बाद श्रीलंकाई कप्तान चरित असलांका का भी विकेट लिया और उस समय 46 रन पर खेल रहे सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका की गेंद पर कैच एंड बोल्ड आउट हुए।

संन्यास लेने जा रहे आंद्रे रसेल! ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में घरेलू मैदान पर खेलेंगे आखिरी मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाले हैं। रसेल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में चुना गया है।



वह इस सीरीज में अपने घरेलू मैदान पर आखिरी मैच खेलेंगे। रिपोर्ट के अनुसार आंद्रे रसेल अपना फेयरवेल मैच घरेलू मैदान जमैका के सबीना पार्क में खेलेंगे। सीरीज के शुरुआती दो मैच यहीं 20 और 22 जुलाई को खेले जाएंगे। रसेल 2019 से इंटरनेशनल क्रिकेट में केवल टी20 खेले हैं और वर्तमान में 84 मैच खेल चुके हैं। रसेल ने अगले टी20 विश्व कप से सात महीने पहले संन्यास का ऐलान किया है। फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप होगा। निकोलस पूरन के बाद रसेल दो महीने से भी कम समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे हाई-प्रोफाइल खिलाड़ी होंगे।

विराट कोहली ही जिम्मेदार!

कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु भगदड़ केस में सौंपी रिपोर्ट, गंभीर लापरवाहियों का जिक्र

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु में आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ को लेकर कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट में विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है. इस रिपोर्ट में कई गंभीर लापरवाहियों का जिक्र किया गया है और खास बात यह है कि इस पूरी घटना में टीम के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली का नाम भी सामने आया है. बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ को लेकर कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट में अपनी रिपोर्ट सौंपी है. बेंगलरु में 4 जून को विक्ट्री परेड से पहले यह भगदड़ हुई थी. जो रिपोर्ट सरकार ने हाइकोर्ट में सौंपी है, उसमें कई तरह की गंभीर लापरवाहियों का जिक्र है. गौर करने वाली बात यह है कि इस पूरी घटना में विराट कोहली का नाम भी सामने आया है. रिपार्ट में कहा गया है कि विराट कोहली ने वीडियो में फैन्स से फ्री में विक्ट्री परेड में आने की अपील की.



18-07-2025 Final_18-07-2025 Final.qxd 7/17/2025 11:35 PM Page 7



पापा जैकी श्रॉफ के और करीब ले जाएगा छोरियां चली गांव शो: कृष्णा श्रॉफ

कृष्णा श्रॉफ जल्द ही एक रिएलिटी शो छोरियां चली गांव से टीवी पर डेब्यू करने जा रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि यह शो उन्हें उनके पिता और अनुभवी अभिनेता जैकी श्रॉफ के उन अनुभवों के करीब लाएगा, जिन्हें उन्होंने गांव में भी जिया है। बातचीत में कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उनके पिता जैकी श्रॉफ उनके रिएलिटी शो छोरियां चली गांव में हिस्सा लेने को लेकर सबसे यादा खुश हैं। जब कृष्णा से पूछा गया कि उस पर उनके पिता की प्रतिक्रिया कैसी थी, तो उन्होंने कहा, वो तो सबसे यादा एक्साइटेड हैं। उन्हें सादगी से भरा जीवन बहुत पसंद है। इसलिए जब उन्हें पता चला कि मैं ऐसे रिएलिटी शो में जा रही हूं, जिसमें गांव की जिंदगी दिखेगी, तो वे बहुत खुश हुए। मुझे लगता है कि इस शो के बाद मैं उनके जीवन के उस नजरिए को और अछी तरह समझ पाऊंगी। कृष्णा श्रॉफ ने बताया, मेरा भाई टाइगर श्रॉफ बार-बार मुझसे पूछते हैं, क्या तुम वाकई ये करना चाहती हो? क्योंकि वह जानते हैं कि मैं किस तरह की लाइफस्टाइल जीती हूं। लेकिन मेरा मानना है कि मैं अपने भाई को इस शो से चौंका दूंगी। शो में मेरा परफॉर्मेंस देखने के बाद उन्हें मुझ पर गर्व महसूस होगा।

कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उन्हें छोरियां चली गांव शो करने की सबसे बड़ी वजह यह है कि इसमें बहुत कुछ सीखने का मौका है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मैं इस अनुभव को पूरी तरह अपनाने जा रही हूं। यहां मैं ऐसी जरूरी बातें और जिंदगी के हुनर सीखूंगी, जिनका इस्तेमाल मैं अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कर सकूं। उन्होंने आगे कहा है कि उन्हें गांव के लोगों से ही नहीं, बल्कि शो की बाकी लड़कियों से भी बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा। ये सभी महिलाएं मजबूत और आत्मनिर्भर हैं, और उनकी जिंदगी से सीखने के लिए बहुत कुछ है।

माधवन ने खुद को बताया प्रियंका का फैन

बॉलीवुड एक्टर आर माधवन ने एक बार फिर ग्लोबल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा की जमकर तारीफ की है। एक्टर ने कहा कि प्रियंका ने जो कुछ भी हासिल किया वो अपनी मेहनत से किया।





बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन इन दिनों अपनी नई फिल्म आप जैसा कोई के प्रमोशन्स में बिजी हैं। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस फिल्म में उनके साथ नजर आ रही हैं फातिमा सना शेख। इस फिल्म में माधवन की एक्टिंग को सराहा जा रहा है। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में आर माधवन ने ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। माधवन ने न सिर्फ प्रियंका की जमकर तारीफ की, बल्कि यह भी बताया कि बॉलीवुड के कई सितारे आज उनकी तरह बनना चाहते हैं।

प्रियंका चोपड़ा यूं ही ग्लोबल आइकन नहीं बनीं

सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में आर माधवन ने प्रियंका के संघर्ष और सफलता की कहानी को बेहद इंस्पायरिंग बताया। उन्होंने कहा कि प्रियंका आज जिस भी मुकाम पर पहुंची हैं वो कोई संयोग नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत का नतीजा है। माधवन ने ये भी कहा कि आज जो कलाकार बॉलीवुड में प्रियंका की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना चाहते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि यह मुकाम किसी शॉर्टकट से नहीं आता।

इस दौरान माधवन ने कहा, प्रियंका ने खुद को हर चुनौती के लिए तैयार किया। उन्होंने न सिर्फ भारतीय सिनेमा में अपनी छाप छोड़ी, बल्कि हॉलीवुड में भी दमदार पहचान बनाई। हाल ही में उनकी एक एक्शन फिल्म हेड ऑफ स्टेट आई, जिसमें उन्होंने जो भूमिका निभाई, वो बताता है कि वो कितनी वर्सेटाइल हैं। माधवन ने ये भी कहा कि वो खुद प्रियंका के फैन हैं। उन्होंने कहा, मैं उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और सफलता से बहुत प्रभावित हूं। जिस तरह वो आगे बढ़ीं, देश का नाम रोशन किया, उस पर मुझे गर्व है। माधवन के इस बयान से साफ है कि फिल्म इंडस्ट्री में प्रियंका को सिर्फ दर्शकों का ही नहीं, बल्कि अपने साथियों का भी भरपूर सपोर्ट और प्यार मिलता है।

'आप जैसा कोई' के बारे में

आर माधवन की नई फिल्म आप जैसा कोई एक मॉडर्न लव स्टोरी है, जिसमें उन्होंने जमशेदपुर के रहने वाले एक आम आदमी का किरदार निभाया है। फातिमा सना शेख के साथ उनकी केमिस्ट्री को भी काफी सराहा जा रहा है। माधवन ने 'रंग दे बसंती' हो, '3 इडियट्स', 'इरुधि सुत्रु' जैसी फिल्मों में अपनी बेहतरीन एक्टिंग से साबित किया है कि वो एक अच्छे अभिनेता हैं।

गाने पुराने नहीं होते, बल्कि दिल में बस जाते हैं: रुपाली गांगुली

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री रुपाली गांगुली अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने गुरुवार को एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया, जिसमें वह एक गाने पर डांस करती नजर आईं।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तड़पाओगे तड़पा लो गाने पर डांस कर रही हैं। वीडियो में रुपाली ने लाल रंग की साड़ी पहनी हुई है। गाने के बोल के साथ शानदार एक्सप्रेशन देते हुए वह डांस करती नजर आ रही हैं। उन्होंने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, गाने पुराने नहीं होते, बल्कि दिल में बस जाते हैं। फैंस को उनका ये खास अंदाज काफी पसंद आ रहा है। रुपाली के फैंस कमेंट सेक्शन पर उन्हें हार्ट, फायर, और स्माइली इमोजी शेयर कर रहे हैं। बता दें, यह गाना कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है, जिसको फॉलो करते हुए अभिनेत्री सपना चौधरी और भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने भी वीडियो बनाई थी और लाखों व्यूज पाए थे। तड़पोगे तड़पा लो गाना साल 1957 में रिलीज हुई फिल्म बरखा का है। इस गाने को स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने गाया है। वहीं गाने के बोल राजिंदर कृष्ण के हैं। यह तमिल फिल्म थाई पिरांधल वाझी पिराक्कुम का रीमेक थी। गाने का संगीत काफी मधुर है, जिसे चित्रगुप्त ने तैयार किया था। गाने की तरह फिल्म को भी लोगों ने काफी पसंद किया था। इसमें नंदा, जगदीप, शुभा खोटे, आनंद कुमार, डेविड अब्राहम, अचला सचदेव, लीला चिटनिस और मोहन चोटी जैसे कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म के निर्देशक आर. कृष्णन और एस. पंजू थे। वहीं इसे एवीएम प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले रिलीज किया गया था।



सिंगर कैलाश खेर ने आखिर क्यों कहा, हमें पश्चिमी देशों से सीखने की जरूरत है?

सिंगर कैलाश खेर ने संगीत में आए बदलावों, लोक कलाकारों की बढ़ती पहचान और भारतीय संस्कृति के बारे में अपने विचार खुलकर रखे। उन्होंने कहा है कि हमें पश्चिमी देशों से सीखने की जरूरत है। आईएएनएस ने जब कैलाश खेर से पिछले दस सालों में बॉलीवुड संगीत में आए बड़े बदलावों के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि वे संगीत को सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं मानते, बल्कि पूरे संगीत जगत को एक साथ देखते हैं। उनका कहना है कि आजकल संगीत सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रह गया है। इंडिपेंडेंट म्यूजिक और नॉन-फिल्म गानों की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। आज के समय में ऐसे बहुत से प्लेटफॉर्म हैं, जहां नए और अलग तरह के गायक-कलाकार अपनी कला दिखा सकते हैं। उन्होंने लोक कलाकारों, मंगणियारों और घुमंतू जनजातियों की बढ़ती लोकप्रियता को रेखांकित करते हुए कहा कि जो कलाकार पहले सिर्फ गांवों या लोकल स्तर पर गाते थे, उन्हें अब बड़े मंच और देशभर में पहचान मिलने लगी है। कैलाश खेर ने कहा, मैं सिर्फ बॉलीवुड संगीत की बात नहीं करता। मैं पूरे संगीत की बात करता हूं। बहुत से ऐसे गाने और कलाकार हैं जो



फिल्मों से अलग हैं और उनका संगीत काफी हिट हो रहा है। लोक संगीत के कलाकार, मंगणियार, और घुमंतू जनजाति के लोग, जो पहले सिर्फ अपने गांव या समुदाय में गाते थे, अब उन्हें भी बड़े मंच मिल रहे हैं और लोग उन्हें पहचानने लगे हैं। यह जागरूकता धीरे-धीरे बढ़ रही है। संगीतकार ने कहा, आज हम सिर्फ कला की बात कर रहे हैं। कला के जरिए शिक्षा और संस्कृति को समझने में मदद मिलती है। हम बदलते हैं और आगे बढ़ते हैं। हमें सचे जीवन जीने की कला सीखनी चाहिए। अगर हम भारत की जिंदगी और पश्चिमी देशों की जिंदगी को देखें, तो हमें साफ फर्क दिखेगा। पद्म श्री कैलाश खेर ने अपनी एकेडमी कैलाश खेर एकेडमी फॉर लर्निंग आर्ट (केकेएएलए) के बारे में कहा, यह हमारी एक छोटी कोशिश है जो संस्कृति की समझ और सचे जीवन की कला को बढ़ावा देती है। इसका मुख्य मकसद है कि हम कला के जरिए जीवन जीना सीखें। भारत के यादातर संगीत स्कूल सिर्फ गाने और राग सिखाते हैं, लेकिन वे हमारे व्यक्तित्व, हमारी सुनने की क्षमता, हमारे गीतों के मतलब समझने और हमारी संस्कृति के बारे में नहीं बताते।



प्रियंका चोपड़ा जोनास न केवल एक ग्लोबल स्टार हैं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी उनकी मौजूदगी काफी खास और दिल को छू लेने वाली होती है। वे अपने चाहने वालों से जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अपनी प्रोफेशनल जिंदगी के साथ-साथ पर्सनल लाइफ की भी खूबसूरत झलकियां फैंस के साथ साझा करती हैं। इस बीच प्रियंका ने अपने पति निक जोनास के लिए अपना प्यार जाहिर किया, उन्होंने निक के साथ एक बेहद खास वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया। वीडियो में दोनों समुद्र किनारे प्यार भरे पल बिताते दिख रहे हैं। वीडियो में पहले निक बीच पर अकेले खड़े हैं और नीचे की ओर लिखा है- विदआउट हर यानी उसके बिना, और साथ में एक उदास इमोजी भी है। लुक की बात करें तो उन्होंने ब्लैक स्लीवलेस टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए हैं और रेड कलर की कैप भी पहन रखी है। इस वीडियो के बैकग्राउंड म्यूजिक में उनके बैंड जोनास ब्रदर्स का नया गाना आई कान्ट लूज प्ले हो रहा है। जैसे ही गाने की बीट तेज होती है, प्रियंका दौड़ते हुए निक के पास आती हैं और उन्हें कसकर गले लगाती हैं। इस दौरान स्क्रीन पर लिखा आता है- विद हर! यानी उसके साथ, और आगे हैप्पी इमोजी भी होते हैं। इस रोमांटिक वीडियो को निक ने पहले अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था, जिसे प्रियंका ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर री-शेयर किया और कैप्शन में लिखा, माइन, यानी आप मेरे हो। वहीं पॉप सिंगर निक ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा था, मैं आपको खोना नहीं चाहता। प्रियंका और निक ने मई 2018 में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था और उसी साल अगस्त में उन्होंने सगाई कर ली। दिसंबर 2018 में, उन्होंने जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में शादी की। दोनों ने अपनी-अपनी संस्कृति का सम्मान करते हुए शादी की। पहले हिंदू रिवाजों के अनुसार शादी हुई और दूसरी बार क्रिश्चियन रिवाजों के अनुसार शादी की। इस कपल ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी पहली बेटी मालती मेरी चोपड़ा जोनास का स्वागत किया।



सलमान खान ने मुंबई में बेचा अपना लग्जरी फ्लैट, इतने करोड़ रुपये मिली कीमत

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने मुंबई के बांद्रा स्थित अपना आलीशान फ्लैट बेच दिया है। इसकी कीमत सुन आप चौंक जाएंगे। अभिनेता सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बैटल ऑफ गलवां की तैयारियों में व्यस्त हैं। बीते दिनों फिल्म से उनका पहला लुक जारी हुआ। इस बीच अभिनेता ने अपना मुंबई में फ्लैट बेच दिया है।

करीब 1,318 वर्ग फुट में बने इस लग्जरी फ्लैट की डील करोड़ों रुपये में हुई है। सलमान खान ने यह फ्लैट करीब 5.35 करोड़ रुपये में बेचा है। स्क्वायर यार्ड्स के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने मुंबई के बांद्रा (पश्चिम) में स्थिति अपना करीब 1,318 वर्ग फुट का अपार्टमेंट 5.35 करोड़ रुपये में बेचा है। बुधवार को रियल एस्टेट कंसल्टेंट स्क्वायर यार्ड्स ने एक बयान में कहा कि उसने सलमान खान की डील के प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स का रिव्यू किया। ट्रांजेक्शन इसी महीने रजिस्टर्ड हुआ है।



सैयारा में बहुत मासूमियत और पवित्रता है: श्रेया घोषाल

अपने गायन से कई लोगों का दिल जीतने वाली राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गायिका श्रेया घोषाल ने फिल्म सैयारा के टाइटल ट्रैक के रीप्राइड वर्जन में अपनी आवाज दी है। उन्होंने इस फिल्म को अपने करियर की सबसे शानदार फिल्मों में से एक बताया। उन्होंने कहा, इस फिल्म और इसके गानों में इतनी सादगी और सचाई है कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए एक खास अनुभव था। श्रेया ने बताया कि, उन्हें एक ऐसी फिल्म में गाना गाने का मौका मिला, जिसने उनका दिल जीत लिया।

गुरु की तलाश में तीन दिन बर्फीली पहाड़ियों में बैठे रहे शेखर कपूर

फिल्ममेकर शेखर कपूर ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर करते हुए पहाड़ों के सफर से जुड़ा दिलचस्प किस्सा सुनाया, जो उनके जीवन का खास अनुभव रहा। उन्होंने अपनी काव्यात्मक शैली में लिखा कि कैसे वे अपने गुरु से मिले और उन्हें आत्म-ज्ञान का गहरा अनुभव हुआ। कपूर ने इंस्टाग्राम पर बर्फीले पहाड़ों के बीच बैठे अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें शेखर कपूर बर्फीले पहाड़ों के बीच बैठे नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट लिखा है, जिसमें उन्होंने बताया कि वह तीन दिन तक वहीं बैठे रहे थे। उन्होंने नोट में लिखा, मैं वहां तीन दिन तक बैठा रहा। मैं इतने लंबे समय से इस पहाड़ पर चढ़ रहा था और थक चुका था... लेकिन मेरे गुरु मेरी तरफ देख कर भी ध्यान नहीं दे रहे थे। मैं बस उनकी सांसें सुन पा रहा था... और शायद प्रार्थना की आवाजें भी... हो सकता है कि वह आवाजें पहाड़ों से टकराती हवाओं की हों. आखिरकार, मैंने हिम्मत जुटाकर बात करने की कोशिश की। शेखर कपूर ने आगे कहा, मैंने अपने गुरु की तलाश कई सालों तक की, सच कहें तो पूरी जिंदगी। एक पल के लिए लगता कि मैंने उनकी आवाज सुनी है, और दूसरे पल लगता शायद यह मेरी कल्पना थी, क्योंकि आस-पास बस हवा की आवाजें ही आ रही थीं।



साभार एजेंसी



साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस रान्या राव को सोने की तस्करी के आरोप में जेल

जमानत भी नहीं मिली

साउथ की एक एक्ट्रेस रान्या राव को एक साल की सजा हुई। विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम मामले को देख रहे सलाहकार बोर्ड ने हाल ही में फैसला सुनाया कि रान्या राव को हिरासत की समय सीमा के दौरान जमानत भी नहीं दी जाएगी।

पहले मिली थी जमानत

तय समय सीमा के भीतर आरोप पत्र दाखिल करने में असफल रहने के बाद, रान्या राव को 20 मई को कोर्ट ने उनके सह-आरोपी तरुण राजू के साथ डिफॉल्ट बेल यानी जमानत दे दी थी। 2 लाख रुपये के बॉन्ड और जमानत शर्तों पर बेल मिलने के बावजूद रान्या और तरुण COFEPOSA के तहत हिरासत में ही रहे। दरअसल, COFEPOSA तस्करी के शक के आधार पर बिना किसी औपचारिक आरोप के भी एक साल तक की हिरासत की परमिशन देता है।

हवाई अड्डे पर रान्या से बरामद हुआ था सोना

इस साल मार्च महीने में रान्या राव दुबई से आई थीं और केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ग्रीन चैनल से गुजरने की कोशिश कर रही थीं। यह जगह आमतौर पर ड्यूटीबेल सामान वाले यात्रियों के लिए होती है। डीआरआई ऑफिसर ने रान्या से पूछा कि उनके पास कुछ अनडिक्लेयर सामान है। इस पर वह टेंशन में आ गईं।